NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

विजडम इंडिया

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 14 अंकः 58 लखनऊ, गुरुवार 10 अक्टूबर 2024 मूल्यः 02 रुपये पृष्ठ- 08

कांग्रेस पर फिर बरसे पीएम मोदी हिंदुओं को बांटने का लगाया आरोप

एजेंसी। मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले ही हमने मराठी भाषा को अभिजात भाषा का दर्जा दिया। जब एक भाषा को उसका गौरव मिलता है, तब सिर्फ शब्द नहीं बल्कि पूरी पीढ़ी को नए बोल मिलते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से महाराष्ट्र में 7600 करोड़ पये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आज महाराष्ट्र को 10 मेडिकल कॉलेज की सौगात मिल रही है। नागपुर एयरपोर्ट के आधुनिकीकरण और विस्तार का काम, शिरडी एयरपोर्ट के लिए एक टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण, आज इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े इन दो अहम प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास भी हुआ है। मैं इन सभी विकास कार्यों के लिए महाराष्ट्र के लोगों

को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र के इतिहास में इतनी तेज गति से, इतने बड़े स्केल पर अलग-अलग क्षेत्रों में कभी भी विकास नहीं हुआ। मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले ही हमने मराठी भाषा को अभिजात भाषा का दर्जा दिया। जब एक भाषा को उसका गौरव मिलता है, तब सिर्फ शब्द नहीं बल्कि पूरी पीढ़ी को नए बोल मिलते हैं। करोड़ों मराठी मानुष का दशकों पुराना सपना पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के लोगों ने जगह-जगह इसकी ख़ुशी मनाई। आज महाराष्ट्र के गांव-गांव से मुझे खुशी के संदेश भी भेज रहे हैं। महाराष्ट्र के लोग अपने संदेशों में मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा देने के लिए मुझे ध न्यवाद दे रहे हैं। लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि ये काम मैंने नहीं, आप सबके आशीर्वाद ने किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी कल ही हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणाम आए हैं। हरियाणा ने बता दिया है कि देश का मिजाज क्या है। दो बार कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार तीसरी बार चुनकर आना ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का पूरा इकोसिस्टम, अर्बन नक्सल का पूरा गिरोह जनता को गुमराह करने में जुटा था। लेकिन कांग्रेस की सारी साजिशें ध्वस्त हो गईं। इन्होंने दलितों के बीच झूठ फैलाने की कोशिश की। लेकिन दलित समाज ने इनके खतरनाक इरादों को भांप लिया। दलितों को एहसास हो गया कि कांग्रेस उनका आरक्षण छीनकर अपने वोटबैंक को बांटना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुसलमानों के मन में भय का माहौल

सीओ जियाउल हक की पीट-पीटकर हत्या मामले में आया बड़ा फैसला, 10 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा

संवाददाता।

प्रतापगढ सीबीआई की तरफ से 10 लोगों को इस केस में आरोपी बनाया गया था। इसके साथ ही कोर्ट की तरफ से सभी दोषियों पर जुर्माना भी लगाया गया है। ये भी कहा गया है कि जुर्माने की 50 प्रतिशत राशि जिया उल हक की पत्नी को दिया जाए। इसके साथ ही इस मामले में पहले ही ग्राम प्रधान गुलशन यादव और राजा भैया को पहले ही क्लिन चिट मिल चुकी थी। जिया उल हक हत्याकांड में सजा का ऐलान कर दिया गया है। सभी 10 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। लखनऊ की सीबीआई अदालत ने दोषियों की सजा का ऐलान किया। 2 मार्च 2013 को सीओ कुंडा जिया उल हक की हत्या हुई थी। उन्हें लाठी, डंडों से पीटकर और गोली से मारकर हत्या हुई थी। फूलचंद यादव, पवन यादव, बलजीत यादव, घनश्याम, सरोज, रामलखन गौतम, छोटेलाल यादव समेत सभी दोषियों को उम्रकैद की सजा हुई है। सीबीआई की तरफ से 10 लोगों को इस केस में आरोपी बनाया गया था। इसके साथ ही कोर्ट की तरफ से सभी दोषियों पर जुर्माना भी लगाया गया है। ये भी कहा गया है कि जुर्माने की 50 प्रतिशत राशि जिया उल हक की पत्नी को दिया जाए। इसके साथ ही इस मामले में पहले ही ग्राम प्रधान गुलशन यादव और राजा भैया को पहले ही क्लिन चिट मिल चुकी थी। 2 मार्च, 2013 की रात को वह बलीपुर पहुंचे जहां ग्राम प्रधान नन्हे सिंह यादव की हत्या के बाद उनके कई समर्थक हथियारों के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। हत्या की वजह कुछ दुकानों के मालिकाना हक को लेकर विवाद था, कामता पटेल को मुख्य संदिग्ध माना जा रहा था और यादव के समर्थकों ने उसके घर की घेराबंदी कर दी थी। तनाव को भांपते हुए डीएसपी ने वैकल्पिक रास्ते से गांव तक पहुंचने का ध यान रखा। जैसे ही वह पटेल के घर की ओर बढ़ा, उसे भीड़ ने घेर लिया और पीट-पीट कर मार डाला। उसे लाठी-डंडे से

पीटा और तीन गोली मारी। जबकि उसके साथ आए तीन पुलिसकर्मी भाग गए, जिस बैकअप के लिए बुलाया गया था वह समय पर नहीं पहुंचा। आक्रोश में नन्हे के भाई सुरेश की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

महाकुंभ को यादगार बनाने के लिये योगी सरकार कई देशों में करायेगा रोड शो

संवाददाता।

लखनऊ। वर्ष 2024 धीरे-धीरे इतिहास के पन्नों में सिमटने को आगे बढ़ रहा है। वैसे तो यह क्रमिक तथा निरंतर चलने वाली सतत प्रक्रिया है। फिर भी नये साल का जश्न मनाया ही जाता है। आने वाला वर्ष 2025 भी इससे अछूता नहीं है। खासकर अगले वर्ष होने वाले महाकुंभ ने वर्ष 2025 की अहमियत और भी बढ़ा दी है। अगले वर्ष प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ को यादगार बनाने और इसके प्रचार प्रसार के लिये योगी

सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है। प्रयागराज महाकुंभ के प्रचार-प्रसार के लिए उत्तर प्रदेश का संस्कृति विभाग देश के अन्य राज्यों के साथ-साथ विदेश में भी रोड़ शो की तैयारी कर रहा है। वहीं प्रदेश के सभी 18 मंडलों में कुंभ समिट का आयोजन होगा। 08 अक्टूबर मंगलवार से लखनऊ में शुरू हुए कुंभ समिट का समापन 14 दिसंबर को प्रयागराज में होगा। उत्तर प्रदेश में रोड़ शो के साथ ही बाल-युवा कुंभ, कला-संस्कृति कुंभ कवि कुंभ, भक्ति कुंभ का भी आयोजन होगा। योगी सरकार के पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 2025 में होने वाले महाकुंभ में 24 करोड़ श्रद्धालु आएंगे। इसकी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दो दिन पहले खुद मुख्यमंत्री ने तैयारियों की समीक्षा की है और 19 दिसंबर तक सारे काम पूरे करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी दस दिसंबर के बाद कभी भी महाकुंभ में आ सकते हैं। जयवीर ने बताया कि संस्कृति विभाग पूरे विश्व में कुंभ का प्रचार करेगा। भारत के अलावा नेपाल, मॉरीशस, इंडोनेशिया, श्रीलंका, कंबोडिया, गुयाना दक्षिण अफ्रीका, त्रिनिदाद, फिजी, सूरी नाम, थाईलैंड, सिंगापुर समेत कई देशों में रोड़ शो के साथ महाकुंभ से जुड़ी फोटो प्रतियोगी, प्रदर्शनी, उप शास्त्रीय गायन, वादन, पेंटिग, छायांकन प्रदर्शनी का भी आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि मंडल स्तर होने वाले कार्यक्रम में पर्यटन, ध र्मार्थ कार्य, सूचना विभाग, हाईस्कूल, इंटर व स्नातक स्तर के शैक्षिक संस्थानों को जोड़ेंगे। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में रजिस्टर्ड कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे।

दिल्ली सीएम आवास को किया गया सील, हैंडओवर को लेकर विवाद, आप का आरोप- आतिशी का सारा सामान निकाल दिया गया बाहर

पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पिछले हफ्ते तक इस घर में रह रहे थे और अपने पद से इस्तीफा देने के करीब तीन हफ्ते बाद उन्होंने इसे खाली कर दिया। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के मुताबिक, आतिशी के पास चाबियां थीं, लेकिन उन्हें परिसर के लिए आधिकारिक आवंटन पत्र नहीं दिया गया था।दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के आधिकारिक आवास को अवैध उपयोग के

आरोप में पीडब्ल्यूडी विभाग ने सील कर दिया। इसके गेट पर विभाग ने डबल लॉक लगा दिया है। दिल्ली के विजिलेंस डिपार्टमेंट में पीडब्ल्यूडी के दो सेक्शन ऑफिसर और अरविंद केजरीवाल के पूर्व स्पेशल सेक्रेटरी को तरीके से हैंडओवर लेने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुख्यमंत्री आतिशी का सारा सामान सीएम आवास से बाहर निकाल दिया गया है। पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पिछले हफ्ते तक इस घर में रह रहे थे और अपने पद से इस्तीफा देने के करीब तीन हफ्ते बाद उन्होंने इसे खाली कर दिया। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के मुताबिक, आतिशी के पास चाबियां थीं, लेकिन उन्हें परिसर के लिए आधिकारिक आवंटन पत्र नहीं दिया गया था। दिल्ली में मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के रूप में कोई समर्पित घर नहीं है। केजरीवाल 2015 से इस घर में रह रहे हैं।

हरियाणा के नतीजे विकास के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता दर्शाते हैं

, t lhA

मुंबई । एकनाथ शिंदे ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में, राज्य में सत्तारूढ़ महायुति को प्रचंड बहुमत दिलाएगी। शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन की घटक है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में, राज्य में सत्तारूढ़ महायुति को प्रचंड बहुमत दिलाएगी। शिंदे ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये एक साक्षात्कार में कहा, ''लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों ने वोट हासिल करने के लिए झूठे विमर्श, जातिवाद की राजनीति और झूठे वादों का सहारा लिया, लेकिन बुलबुला फूट गया।'' शिंदे ने कहा, ''अगर आप कांग्रेस द्वारा 50-60 वर्षों में (जब वह सत्ता में थी) किए गए कार्यों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले 10 साल के काम की तुलना करें तो सच्चाई सामने आ जाएगी।''शिंदे की

अगुवाई वाली शिवसेना महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन की घटक है, जिसमें भाजपा और अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में 'डबल इंजन' की सरकार थी और वहां के लोग समझते थे कि विकास का मतलब क्या है। '' यही कारण है कि उन्होंने भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता में पहुंचाया।'' महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विध ानसभा के लिए नवंबर में चुनाव होने हैं। शिंदे ने कहा कि मौजूदा महाराष्ट्र सरकार विकास पर समान रूप से ध्यान केंद्रित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''जब महा विकास आघाडी (एमवीए) सत्ता में थी, तो उन्होंने अटल सेतु, समृद्धि राजमार्ग, तटीय सड़क, मेट्रो तीन और आरे कार शेड जैसी प्रमुख परियोजनाओं पर विराम लगा दिया था। जबकि हमने इन परियोजनाओं पर से सभी बाध ाओं को दूर कर दिया है।'' वर्ष 2022 में शिंदे द्वारा तत्कालीन शिवसेना में विद्रोह का नेतृत्व करने, पार्टी को विभाजित करने और मुख्यमंत्री बनने के लिए भाजपा के पाले में जाने के बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार गिर गई। शिंदे गुट को बाद में पार्टी का नाम और उसका चुनाव चिह्न धनुष-बाण मिला। महा विकास आघाड़ी गठबंधन में कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल हैं। शिंदे ने कहा कि कांग्रेस वादे करती है पर बाद में अपनी बात से मुकर जाती है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस लोगों को फंसाती है, उन्हें धोखा देती है और फर्जी विमर्श गढ़ती है। इसीलिए वह हरियाणा में हार गई। इसके विपरीत भाजपा, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विकास के एजेंडे पर ध्यान केंद्रित किया।'' सत्ता विरोधी लहर को दरकिनार करते हुए सत्तारूढ़ भाजपा ने हरियाणा में जीत की 'हैट्रिक' लगाकर सत्ता बरकरार रखी और विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की वापसी की कोशिशों पर विराम लगा दिया। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे मंगलवार को घोषित किए गए। हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा चुनाव के नतीजे मंगलवार को घोषित किए गए। भाजपा ने 48 सीट जीतकर अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि हासिल की। भाजपा को मिली सीटों की संख्या कांग्रेस की संख्या से 11 अधिक है। शिंदे ने कहा कि कांग्रेस, एमवीए और 'इंडी गठबंधन' ने लोकसभा चुनावों में फर्जी विमर्श गढ़कर, झूठे वादे करके और जातिवाद का जहर फैलाकर वोट हासिल किए। उन्होंने दावा किया कि इसीलिए लोगों ने उन्हें खारिज करने का मन बना लिया। शिंदे ने पिछले दो वर्षों में अपनी सरकार द्वारा किए गए कार्यों को उजागर करने के लिए 'लाडकी बहिन योजना', 'युवा कार्य प्रशिक्षण योजना' और 'किसान बिजली बिल माफी योजना' सहित विभिन्न योजनाओं को गिनाया।

हरियाणा और जम्मू में चला योगी का जादू, जिन सीटों पर किया प्रचार वहां बीजेपी का रहा शानदार स्ट्राइक रेट

laoknnkrkA

लखनऊ हरियाणा के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में भी भाजपा के स्टार प्रचारक योगी का जादू दोनों राज्यों में चला, क्योंकि जिन सीटों पर उन्होंने सार्वजनिक सभाओं को संबोधित किया था, उनमें से अधिकांश सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों ने जीत हासिल की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा वि ानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की लगातार तीसरी जीत को पार्टी के विकसित हरियाणा और विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए समर्पित किया। हरियाणा के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में भी भाजपा के स्टार प्रचारक

योगी का जादू दोनों राज्यों में चला, क्योंकि जिन सीटों पर उन्होंने सार्वजनिक सभाओं को संबोधित किया था, उनमें से अधिकांश सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। हरियाणा में योगी आदित्यनाथ ने 21 विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ रहे पार्टी उम्मीदवारों के लिए 14 जनसभाओं को संबोधित किया था, इनमें से नौ सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी। 10 साल की सत्ता विरोधी लहर और एग्जिट पोल को धता बताते हुए भाजपा लगातार तीसरी बार हरियाणा की सत्ता में लौट आई। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में प्रचार के लिए बीजेपी उम्मीदवारों के बीच योगी की मांग थी। योगी ने असंध, नरवाना, राई, अटेली, रादौर, जगाध ारी, यमुनानगर, साढौरा, बवानी खेड़ा, हांसी, नारनौंद, साबिदां, पंचकुला, कालका, शाहबाद, कलायत और सफीदों विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने फरीदाबाद एनआईटी विधानसभा क्षेत्र में फरीदाबाद एनआईटी, बल्लभगढ़, पृथला और बढ़कल विधानसभा क्षेत्रों के लिए संयुक्त जनसभा को संबोधित किया। भाजपा को 14 विधानसभा सीटें मिलीं, जिनमें असंध, नरवाना, राई, अटेली, रादौर, यमुनानगर, बवानी खेड़ा, हांसी, साबिदां, कालका, सफीदों, फरीदाबाद एनआईटी, बल्लभगढ़ और बढ़कल शामिल हैं। योगी आदित्यनाथ ने जम्मू-कश्मीर की 11 वि ानसभा सीटों से चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवारों के लिए 5 रैलियों को भी संबोधित किया। 11 सीटों में से भाजपा को 10 सीटें मिलीं। ये हैं-रामगढ़, विजयपुर, सांबा, आरएस पुरा, सुचेतगढ़, बिश्नाह, राम नगर, उधमपुर पूर्व, कठुआ और किश्तवाड़।

सपा ने 6 सीटों पर तय किये प्रत्याशी, लिस्ट में तेज प्रताप और सांसद अवधेश के बेटे का भी नाम

laoknnkrkA

लखनऊ। सपा प्रमुख ने जिन छहः उम्मीदवारों की सूची जारी की है, उसमें परिवारवाद को तवज्जो दी गई है। अखिलेश ने अपने परिवार के तेज प्रताप को करहल से उम्मीदवार बनाया है। फैजाबाद (अयोध्या) के सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजित को मिल्कीपुर से टिकट दिया गया है। उत्तर प्रदेश में शीघ्र ही दस सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने 6 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट से सपा ने अयोध्या के सांसद और मिल्कीपुर के पूर्व विधायक के बेटे को टिकट दिया है। समाजवादी पार्टी ने विधानसभा की जिन छहः सीटों के लिए प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया है उसमें करहल से तेज प्रताप यादव, सीसामऊ से नसीम सोलंकी, फूलपुर से मुस्तफा सिद्दीकी, मिल्कीपुर से अजित प्रसाद, कटेहरी से शोभावती वर्मा, मझवां से ज्योति बिंद को टिकट

दिया गया है। उत्तर प्रदेश की 10 सीटों पर इस साल के अंत में विधानसभा के उपचुनाव होने हैं। ये सभी सीटें विधायकों के इस्तीफा देने और सदस्यता जाने की वजह से रिक्त हुई है।बहरहाल, सपा प्रमुख ने जिन छहः उम्मीदवारों की सूची जारी की है, उसमें परिवारवाद को तवज्जो दी गई है। अखिलेश ने अपने परिवार के तेज प्रताप को करहल से उम्मीदवार बनाया है। फैजाबाद (अयोध्या) के सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजित को मिल्कीपुर से टिकट दिया गया है। सीसामऊ सीट से इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम को सिंबल दिया गया है। लालजी वर्मा परिवार के शोभावती को कटेहरी से उम्मीदवार बनाया गया है। इसी तरह फूलपुर से चुनाव लड़ चुके मुस्तफा सिद्दीकी को फिर से टिकट दिया गया है। वहीं मझवां से ज्योति बिंद को उम्मीदवार बनाया गया है। अखिलेश ने टिकट वितरण में पीडीए फॉर्मूले को ध्यान में रखते हुए दो-दो मुस्लिम और ओबीसी, एक-एक दलित और अति पिछड़ा वर्ग के नेता को टिकट दिया गया है। सपा ने जिन चार सीटों पर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा नहीं की है उसमें मीरापुर, कुंदरकी, गाजियाबाद सदर और अलीगढ़ की खैर शामिल हैं। कुंदरकी में वर्क परिवार अपने करीबी की पैरवी में जुटा है, जबकि मुरादाबाद से पूर्व सांसद एसटी हसन यहां से अपने लिए टिकट चाह रहे हैं। इसी तरह अलीगढ़ और मीरापुर में भी टिकट के लिये सपा में जोड़तोड़ चल रहा है। गाजियाबाद सदर सीट सपा कांग्रेस को दे सकती है। हालांकि, कांग्रेस की मांग पांच सीटों की है।

अखिलेश यादव के इस एक फैसले से नाराज हो गई कांग्रेस,

संवाददाता।

लखनऊ अविनाश पांडे ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हम अति आत्मविश्वास में नहीं बल्कि पूर्ण रूप से आश्वस्त हैं और इसी के चलते संगठन को मजबूत और सशक्त बनाने के साथ-साथ चुनाव की तैयारी का काम भी शुरू हो गया है। समाजवादी पार्टी ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनावों के लिए 6 उम्मीदवारों के नाम जारी कर दिए है। इससे कांग्रेस नाराज दिखाई दे रही है। यूपी कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडे ने इसको लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने इंडिया गठबंधन समन्वय समिति से कोई चर्चा नहीं की और न ही हमें विश्वास में लिया गया। उन्होंने कहा कि ये सच है, हमें इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। इंडिया गठबंधन की समन्वय समिति से अभी तक कोई चर्चा नहीं हुई है। जहां तक छ्सीटों की घोषणा और चुनाव लड़ने की बात है तो इंडिया गठबंधन की समन्वय समिति जो भी निर्णय लेगी वह उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी को मान्य होगा। अविनाश पांडे ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हम अति आत्मविश्वास में नहीं बल्कि पूर्ण रूप से आश्वस्त हैं और इसी के चलते संगठन को मजबूत और सशक्त बनाने के साथ-साथ चुनाव की तैयारी का काम भी शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि गठबंधन की संभावनाएं अंत तक बनी रहती हैं इससे इनकार नहीं किया जा सकता। सपा नेता रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि सभी 6 सीटों पर समाजवादी पार्टी बीजेपी को हराने में आगे रही है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरूवार 10 अक्टूबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

महाकुंभ–2025 में पर्यटन विभाग द्वारा संस्कृति ग्राम तथा 10 पर्यटन सूचना केन्द्रों की स्थापना होगी

लखनऊ। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागम महाकुंभ–2025 के अलौकिक आयोजन के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रयागराज में विभिन्न बुनियादी सुविधायें सृजित की जा रही हैं। इसके तहत पर्यटन विभाग उ0प्र0 की ओर से भी कई निर्माण कार्य तथा गतिविधियां क्रियान्वयन के लिए तैयार की गयी है। इसके अंतर्गत अरैल क्षेत्र में संस्कृति ग्राम की स्थापना की जायेगी, जिसे 06 जोन में बांटा जायेगा। यह जानकारी आज यहां प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि संस्कृति ग्राम में महाकुंभ की प्राचीन विरासत एवं गौरवगाथा तथा पौराणिक कथा पर आधारित प्रदर्शनी लगायी जायेगी। इसमें महाकुंभ की ऐतिहासिक यात्रा, ज्योतिष विज्ञान पर प्रदर्शनी, कला संबंधी प्रदर्शनी, पाक कला व्यंजन संबंधी प्रदर्शनी तथा डिजिटल माध्यमों से कार्यशालायें आयोजित की जायेगी। जयवीर सिंह ने बताया कि संस्कृति ग्राम की स्थापना हेतु 02 अगस्त में ईओआई आमंत्रित कर 08 फर्मों से प्रस्ताव प्राप्त किये गये हैं। चयनित डिजाइनों के अनुसार वित्तीय निविदा प्रक्रियाधीन है। इसके अलावा मेला क्षेत्र में 30 अस्थायी थिमैटिक गेट की स्थापना होगी। यह गेट समुद्र मंथन के 14 रत्नों पर आधारित होंगे। 30 अस्थायी थिमैटिक गेट की स्थापना हेतु 10 फर्मों से 600 गेटों की डिजाइन प्राप्त की गयी है। इनमें से चयनित गेटों की डिजाइनों के अनुसार अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि मेला क्षेत्र में इंडिया स्टेट पवेलियन की स्थापना की जायेगी। इसकी मुख्य थीम विभिन्न राज्यों में मकर संक्रांति से बैशाखी पर्व के मध्य पड़ने वाले पारम्परिक त्यौहारों पर थीम आधारित होगी। इसके अलावा भारत के विभिन्न राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों की पर्यटन प्रदर्शनी के लिए 35 बूथ का निर्माण किया जायेगा। इस प्रदर्शनी में फूड जोन, जनभागीदारी कार्यशाला का निर्माण, हस्तशिल्प बाजार का प्रदर्शन तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु स्टेज का निर्माण किया जायेगा। जयवीर सिंह ने बताया कि मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए 10 अस्थायी पर्यटन सूचना केन्द्रों की स्थापना की जायेगी। इसके लिए एजेंसी के चयन के लिए निविदा संबंधी कार्यवाही की जा रही है। इसके अतिरिक्त महाकुंभ की अवधि में 02 ड्रोन–शो के आयोजन हेतु अग्रेतर कार्यवाही की जा रही है। विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि पर्यटन विभाग द्वारा प्रस्तावित कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित अवधि में पूरा करना सुनिश्चित करें।

संयुक्त खण्ड विकास अधिकारियों को राज्य ग्राम्य विकास संस्थान में दिया जा रहा है प्रशिक्षण

लखनऊ। उप मुख्यमंत्रीकेशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में राज्य ग्राम्य विकास संस्थान द्वारा अधिकारियोंध्कर्मचारियों व विभिन्न जनोपयोगी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु लगे लोगों की क्षमता संवर्धन हेतु लगातार प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ द्वारा दिनांक 07 से 11 अक्टूबर, 2024 की अवधि में प्रदेश के आठ जनपदों के 23 विकास खण्डों से सहायक विकास अधिकारी के पदों से प्रोन्नति प्राप्त, संयुक्त खण्ड विकास अधिकारियों हेतु, 05 दिवसीय आवासीय, "पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम" का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए प्र० अपर निदेशक राज्य ग्राम्य विकास संस्थानबी डी चौधरी ने बताया कि इन पांच दिवसों में इन सभी प्रशिक्षु प्रतिभागी अधिकारियों के क्षमता संवर्धन के दृष्टिगत विभिन्न विषयों यथा– दैनिक कार्यालय प्रशासन, कार्यो का वर्गीकरण तथा प्राथमिकता निर्धारण, उ0प्र0 सरकारी सेवक आचरण नियमावली–1956, विभिन्न स्तर के शिकायत निवारण प्लेटफार्म विषयक, टी0ए0 नियम एवं एल0टी0सी0, कार्यालय के अभिलेखों का रखरखाव, अवकाश नियम, सेवा संबंधी अभिलेखों में अंकन की प्रक्रिया एवं सम्बन्धित प्रपत्र के न होने के दुष्प्रभाव, मानव सम्पदा पोर्टल, सूचना का अधिकार अधिनियम–2005, स्टोर एवं भण्डारण प्रबन्धन, अनुशासनिक कार्यवाही के अन्तर्गत लघुदण्ड एवं वृहद दण्ड, निलम्बन की अवधारणा इत्यादि प्रमुख विषयों पर राज्य स्तरीय प्रबुद्ध विषय–विशेषज्ञों द्वारा प्रासंगिक वार्तायें प्रदान की जा रही हैं। प्रशिक्षण के चौथे दिवस पर, ग्राम पंचायत सिंहामऊ, विकास खण्ड बख्शी का तालाब, लखनऊ में, ग्राम पंचायत के अन्तर्गत संचालित की जा रही योजनाओं के पर्यवेक्षण, अध्ययन एवं आंकलन के परिप्रेक्ष्य में एक क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के प्र०अपर निदेशक बी0डी0 चौधरी के मार्ग निर्देशन व उप निदेशक डा0 नीरज गुप्ता के नियन्त्रण में किया जा रहा है। प्रशिक्षण के प्रबन्धन के दृष्टिगत प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रभारी डा0 एस0 के0 सिंह सहायक निदेशक, सहायक प्रभारी सरिता सिंह, सहायक निदेशक, संकाय सदस्य नवीन चन्द्र अवस्थी तथा सलाहकार कुमार दीपक का विशेषरूप से सराहनीय योगदान है।

स्वंय सहायता समूहों की दीदियां बना रही हैं, मनरेगा के तहत सिटीजन इनफार्मेशन बोर्ड

सी आई बी बोर्ड बनाकर, आधी आबादी प्रशस्त कर रहीं है महिला स्वावलंबन की राह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबन की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।स्वयं सहायता समूहों की दीदियों द्वारा प्रदेश में मनरेगा के तहत सीआईबी बोर्ड बनाये जा रहे हैं ।मनरेगा का कार्य आरंभ होने से पूर्व सभी कार्यस्थलों पर स्थापित किए जाने वाले सीआईबी बोर्ड का निर्माण स्वयं सहायता समूह की महिलाएं करती हैं। इस कार्य से स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं की आय में बढ़ोतरी होती है, जिससे महिलाएं अब आत्मनिर्भर बन रहीं हैं और उनका आत्मसम्मान भी बढ़ रहा है।प्रति वर्ष स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा वृहद स्तर पर सीआईबी बोर्ड का निर्माण किया जा रहा है। ग्रामीण महिलाएं अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में सक्रिय सहभागिता कर रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत गठित स्वयं सहायती समूहों के माध्यम से मनरेगा योजनांतर्गत निर्मित होने वाले परिसम्पत्तियों पर नागरिक सूचना पट्टिका का निर्माण किया जा रहा है, इससे स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की आजीविका में संवर्धन हो रहा है। ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 2023–24 में प्रदेश में ग्रामीण आजीविका मिशन के 1100 से ज्यादा स्वयं सहायता समूहों की 5000 से ज्यादा महिलाओं द्वारा 5 लाख से ज्यादा नागरिक सूचना बोर्ड निर्मित किये गये।वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024–25 में अब तक ग्रामीण आजीविका मिशन के 1200 स्वयं सहायता समूहों की 5600 महिलाओं द्वारा लगभग 3 लाख नागरिक सूचना बोर्ड निर्मित किये जा चुके हैं,इससे ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि के साथ उद्यमिता की भावना भी विकसित हो रही है। मनरेगा योजनान्तर्गत परिसंपत्तियों के सृजन में प्रयुक्त होने वाले सीआईबी बोर्ड की आपूर्ति महिला स्वयं सहायता समूह के माध्यम से करने के निर्देश हैं। सिटीजन इनफार्मेशन बोर्ड में ग्राम पंचायत का नाम, विकास खण्ड, जनपद का नाम,कार्य की आई डी,कार्य की अनुमानित लागत,कार्य प्रारंभ करने की तिथि,कार्य पूर्ण होने की तिथि,मानव दिवस, मजदूरी आदि का उल्लेख किया जाता है। ग्राम्य विकास आयुक्तजी एस प्रियदर्शी ने बताया कि कार्यस्थल पर लगने वाले सीआईबी बोर्ड के निर्माण हेतु संबंधित समूह को समय से आर्डर दिया जाता है, ताकि कार्य आरंभ होने से पूर्व सभी कार्य स्थलों पर निर्धारित मानकों के अनुसार सीआईबी बोर्ड स्थापित किया जा सके।

उत्तर प्रदेश नगर विकास मंत्री ने दिए त्योहारों के मद्देनजर स्वच्छता और सुरक्षा के निर्देश

संवाददाता।

लखनऊ,उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने हाल ही में निकाय कार्यों की वर्चुअल समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को त्योहारों के दृष्टिगत साफ–सफाई, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। दुर्गा पूजा पंडालों, दशहरा, दीपावली और छठ पूजा स्थलों के लिए आवश्यक तैयारियां करने के लिए कहा गया। संचारी रोगों की रोकथाम, जल भराव रोकथाम और निराश्रित पशुओं को गौशालाओं में पहुंचाने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा, नगरीय क्षेत्रों की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने और मार्ग प्रकाश व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को निकाय कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं करने की चेतावनी भी दी। इस वर्चुअल बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात, सचिव अजय कुमार शुक्ला, प्रबंध निदेशक जल निगम और अन्य उच्च अधिकारी शामिल हुए।

अद्भुत होता है मां काली का नृत्य स्वरूप

प्रयागराज(आरएनएस)। प्रयागराज के दारागंज में निकलने वाली काली स्वांग में मां काली के अद्भुत रूप के दर्शन होते हैं। लगभग 5 किलोमीटर तक निकलने वाली इस काली नृत्य यात्रा को देखने के लिए दूर–दूर से लोग आते हैं। यह यात्रा शारदीय नवरात्र के पंचमी और षष्ठी तिथि को निकल जाती है। इसमें मां काली का रूप धारण रूप धारण कर अद्भुत नृत्य का प्रदर्शन होता है। नंगी भुजाली लिए मां काली नृत्य करते हुए चलती हैं।दारागंज इलाके में होने वाले विशेष आयोजन के लिए कई महीनों पहले से तैयारियां होती है। नवरात्र के चतुर्थी से मां काली स्वांग या नृत्य के आयोजन की शुरुआत होती है। इसके लिए कलाकार कई महीनों पहले से तैयारी करते हैं। इसमें मां काली का भेष धारण करने वाले कलाकार ब्रम्हचर्य का पालन करने के साथ ही सात्विक आहार को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं। प्रयागराज में निकलने वाली मां काली की यात्रा को देखने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंचती है। तीन दिनों तक रात में और सप्तमी की सुबह यात्रा निकलने के साथ इसका समापन होता है। श्री दारागंज रामलीला कमेटी की ओर से आयोजित होने वाले मां काली की यात्रा या स्वांग की शुरुआत दारागंज के माधो यादव के निवास से होती है। जो जीटी रोड होते हुए निराला मार्ग से सिंगार भवन बक्सी त्रिमुहानी पर समाप्त होती है।

प्रेमी युगल के आगे झुके कर्जन परिजन कराई शादी

थाने में हुई पंचायत के बाद मंदिर में युवक–युवती ने पहनाई वरमाला

प्रयागराज(आरएनएस)। एक युवक और युवती ने अपनी मोहब्बत के लिए सबको झुकने पर मजबूर कर दिया। लव मैरिज करने के लिए दोनों घर से निकल पड़े तो मामला थाने तक पहुंच गया। थाने में पंचायत हुई। लड़की पक्ष वाले विरोध जताते रहे लेकिन युवती ने सबके सामने कह दिया कि वह बालिग है शादी करेगी तो अपने प्रेमी से अपनी मर्जी इसके बाद पुलिस ने उन्हें रवाना कर दिया। थाने से निकल दोनों बहरिया ब्लाक प्रांगण में स्थित शिव मंदिर पहुंचे और एक दूसरे को वरमाला डाल शादी रचा ली। दोनों का प्यार देख अंत में घरवालों को भी रजामंद होना पड़ा। लड़की के घरवाले भी मान गए और वापस लौट गए।

बहरिया क्षेत्र के एक ही गांव में रहने वाले हिमांशु और रश्मि चार साल से एक दूसरे के प्यार में बंधे थे। घरवाले शादी को तैयार नहीं हो रहे थे। गांव में बात फैली तो विरोध शुरू हो गया। मंगलवार को झगड़ा बढ़ा तो युवती के घरवालों ने उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद युवती सीधे युवक के पास पहुंची कि उसे शादी करनी है। दोनों शादी करने निकल पड़े तो लड़की के घरवाले थाने पहुंच गए। तहरीर दिया कि हिमांशु उनकी बेटी को बहका कर ले गया है। उन्हें शादी से रोका जाए। पुलिस युवक और युवती को थाने ले गई। वहां कई घंटे पंचायत चली। युवती ने साफ किया कि वह अपनी मर्जी से शादी करने जा रही है। वह बालिग है, फैसला ले सकती है। दोनों का बयान दर्ज करने के बाद पुलिस ने उन्हें जाने दिया।

51 सचल पशु चिकित्सा एवं कृत्रिम गर्भाधान इकाइयों के संचालन हेतु 76 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य के तहत बुंदेलखण्ड क्षेत्र के 07 जनपदों एवं मैनपुरी, बाराबंकी तथा बलिया में क्रियाशील 51 सचल पशु चिकित्सा एवं कृत्रिम गर्भाधान इकाइयों के संचालन हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 76 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृति की है।

इस संबंध में पशुधन विभाग द्वारा शासनादेश जारी कर दिया गया है। शासनादेश में निदेशक प्रशासन एवं विकास को निर्देशित किया गया है कि स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरणध्व्यय अनुमोदित कार्ययोजना एवं योजना हेतु निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए व्यय विरण सहित उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्ययध्उपयोग उसी मदध्प्रयोजन में किया जायेगा जिसके लिए धनराशि वस्तुतः स्वीकृत की जा रही है।

अनोखे अंदाज में मना अनूप गुरु का जन्मदिन

प्रयागराज(आरएनएस)। आजाद पार्क स्थित योग संस्थान के मुख्य प्रशिक्षक अनूप गुरु का 64वां जन्मदिन अनोखे अंदाज में मना। प्रातः आयोजित कार्यक्रम में मॉर्निंग वाकर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष किशोर वार्ष्णेय ने अंगवस्त्र पहना कर उपहार से सम्मानित किया। दीपक अग्रवाल ने माल्यार्पण कर अभिवादन किया। स्वागत से अभिभूत योग प्रशिक्षक ने 25 वर्ष की सेवाओं का उल्लेख कर कहा कि व्यायाम, योग, प्राणायाम, उपयुक्त खानपान तथा संयमित जीवन से लोगों का जीवन 10–20 वर्ष आयु में वृद्धि संभव है। कहा कि कोरोना के दौरान प्राणायाम अत्यधिक कारगर साबित हुआ। बाद में संगम तट पर 64 भिक्षुकों को भोजन वितरित किया गया।उपाध्यक्ष अरविंद सिंह ने सभी का स्वागत किया जबकि सचिव आर के चौहान ने धन्यवाद ज्ञापन किया। रंजना केसवानी द्वारा गायन प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रहा। अंत में लोगों ने स्वल्पाहार का आनंद लियासीनियर एडवोकेट यशाथध , डा.प्रकाश खेतान, रवींद्र श्रीवास्तव, जितेंद्र जायसवाल, संतोष ओझा, राजेंद्र केसरवानी, सुरेंद्र श्रीवास्तव, आलोक गुप्ता, संजय केसरवानी, सुषमा जायसवाल, अशोक गुप्ता, के सी स्वर्णकार , सुनील अग्रवाल, पी.सी.पटारिया, सुनीता गुप्ता आदि मौजूद थे।

सामाजिक परिवर्तन के महानायक थे कांशीराम- इंद्रजीत सरोज

प्रयागराज(आरएनएस)। बहुजन नायक पूर्व सांसद कांशीराम की पुण्यतिथि आज समाजवादी पार्टी कार्यालय जार्ज टाउन में मनाई गई। पार्टी नेताओं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।इस मौके पर पूर्व प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री, विधायक इंद्रजीत सरोज ने कांशीराम को सामाजिक परिवर्तन का महानायक बताते हुए कहा कि सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव धन्य हैं जिन्होंने ऐसे महापुरुष को अपना समर्थन देकर इटावा से देश की सांसद में भेजनें का काम किया था। पूर्व मंत्री ने कई पुराने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि उन्होंने समाज के सबसे कमजोर तबके को राजनैतिक रूप से मजबूती देकर सम्मान और स्वाभिमान के साथ जीना सिखाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, यमुनापार अध्यक्ष पपूलाल निषाद ने किया। संचालन रविन्द्र यादव एवं कृपा शंकर बिन्द ने किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से एम एल सी डॉ मानसिंह यादव, पूर्व विधायक मुजतबा सिद्दीकी, सत्य वीर मुन्ना, रविन्द्र यादव,आर एन यादव, दान बहादुर मधुर, कृष्णमूर्ति सिंह, अमर नाथ मौर्य,राजू पासी, महेन्द्र पासी, मृत्युजय पाण्डेय, ओ पी पाल, विनय यादव,जगदीश यादव, गीता पासी, जय शंकर, मो जैद, सुरेश श्रीवास्तव, अमित यादव, अजीत यादव, नाटे चौधरी, प्रदीप निषाद, दूधनाथ पटेल, इंजी विक्रम सिंह, कुलदीप यादव, शांति प्रकाश पटेल रमाकांत पटेल, शकील,हामिद, ओ पी यादव, सचिन श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार अपराध के अमृतकाल के लिए जानी जाएगी– अखिलेश यादव

लखनऊ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्रीअखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार अपराध के अमृतकाल के लिए जानी जाएगी। अपराधी बेखौफ होकर घटनाएं कर रहे हैं। भाजपा सरकार के भेदभावपूर्ण रवैये ने उत्तर प्रदेश को जंगलराज बना दिया है। अपहरण, हत्या, लूट, बलात्कार जैसी घटनाएं बढ़ती जा रही है। पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल है। जौनपुर में एक युवक की अपहरण के बाद हत्या हो गयी। लखनऊ में युवती का अपहरण, सुल्तानपुर में पुलिस वाले को गोली मारी गयी। पिछले दिनों शामली में बैंक डकैती जैसी दर्जनों अपराधिक घटनाएं हर दिन हो रही है। भाजपा ने प्रदेश की कानून–व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। भाजपा सरकार में पुलिस अपराधियों को पकड़ने और अपराधों पर लगाम लगाने के बजाय सरकार के इशारे पर राजनीतिक विरोधियों, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों को झूठे मामलों में फंसाकर परेशान करती है। प्रताड़ित करती है। पुलिस–प्रशासन भाजपा का कार्यकर्ता बनकर काम कर रहा है। कानून व्यवस्था ओर भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो साबित हो चुका है। सरकार आम जनता को सुरक्षा देने में नाकाम है। लोगों में भय का माहौल है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा की अराजकता और अहंकार का मुहतोड़ जवाब देगी। जरूरतमंद कैदियों में वस्त्र व नजर के चश्मे वितरित'

तीन बार विधायक रहे हैं मुज्तबा, कांग्रेस की दावेदारी को झटका

प्रयागराज(आरएनएस)। प्रयागराज की फूलपुर सीट पर उप चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने उम्मीदवार घोषित कर दिया। सपा ने मुस्लिम चेहरे पूर्व विधायक मुज्तबा सिद्दीकी पर ही दांव लगाया है। मुस्लिम–यादव प्रत्याशी से इतर दूसरी जाति का उम्मीदवार उतार वोट खींचने की अटकलों को विराम लग गया। साथ ही कांग्रेस की फूलपुर सीट पर दावेदारी खत्म हो गई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लगातार फूलपुर में सम्मेलन कर संदेश दे रहे थे कि यह सीट उनके खाते में आएगी।मुज्तबा सिद्दीकी लातार फूलपुर सीट पर प्रचार में जुटे थे। उनके करीबी लोगों का साफ कहना था कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तैयारी के लिए बोल दिया है। मुज्तबा सिद्दीकी तीन बार विधायक रह चुके हैं। वे 2002 से 2012 तक सोरांव विधानसभा सीट से विधायक चुने गए। इकसे बाद 2017 में प्रतापपुर विधानसभा सीट से विधायक बने। वर्ष 2022 के चुनाव में वह फूलपुर से चुनाव लड़े लेकिन 2775 वोटों से हार गए थे।

प्रयागराज की फूलपुर सीट प्रदेश की हॉट सीटों में शुमार है। जातीय गणित की वजह से अभी तक भाजपा ने भी यहां से उम्मीदवार नहीं घोषित किया है। बसपा ने फूलपुर सीट से शिव बरन पासी को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा के प्रवीण पटेल के सांसद बन जाने के बाद यह सीट खाली हुई थी। हालांकि लोकसभा चुनाव में प्रवीण पटेल सपा के अमरनाथ मौर्या से इस विधानसभा सीट पर पीछे रह गए थे। फूलपुर सीट पर ओवैसी और पल्लवी पटेल की पीडीएम भी फूलपुर सीट से प्रत्याशी उतारने की तैयारी में हैं। ऐसे में इस सीट पर चुनावी गणित काफी बिगड़ने वाला है।

महाकुंभ के 30 हजार करोड़ बजट पर लीपापोती– विनय कुशवाहा

मुख्य स्नान पर्व में सिर्फ 95 दिन बचें अभी खोदाई ही हो रही हैं

प्रयागराज(आरएनएस)। सपा प्रदेश सचिव व सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा ने महाकुंभ से सम्बंधित कार्यों की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए कहा कि सरकार ने महाकुंभ 2025 के लिए 30 हजार करोड़ का भारीभरकम बजट दिया जिसमें अलोपीबाग फ्लाईओवर को छोड़कर कोई भी स्थाई निर्माण कार्य नहीं हो रहा है। जिससे प्रयागराजवासियों को कुम्भ मेला के बाद भी उसका लाभ मिलता रहे अधिकतर अस्थायी निर्माण कार्य पर ही धन खर्च हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ स्नान पर्व में 95 दिन शेष हैं। पहला स्नान 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा का हैं लेकिन सालभर पहले से घर मकान तोड़े गये सड़क चौड़ीकरण के नाम पर और आज के दिन तक सड़कों की खोदाई चालू है। जार्ज टाउन थाने के सामने बीच रोड़ खोदकर पाइपलाइन डाली जा रही हैं और इसी तरह बाकी सड़कों का यहीं हाल है बहुत जगह तो बिजली के पोल भी नहीं हटें हैं तो कब मिट्टी बैठेगी कब सड़क बनेगी। जल्दबाजी में सड़क रातोंरात पेंट कर दी जायेगी जो अगली बरसात में धंस जायेगी इसी लुंजपुंज कार्य प्रणाली की वजह से एक भी सड़क आज तक तैयार नहीं हुई जिससे शहरवासी जाम के झाम से जूझ रहे हैं।प्रतिनिधि ने कहा कि मुख्यमंत्री व प्रमुख सचिव साल भर पहले से कुम्भ कार्यों की समीक्षा बैठक कई बार कर चुके जिसका नतीजा शून्य रहा। अधिकारी ठेकेदार अपने मनमाफिक काम करते रहे क्योंकि वो जानते हैं कि स्नान पर्व की तिथि फिक्स हैं। जब कम समय बचेगा तो काम पूरा करने पर जोर होगा गुणवत्ता पर किसी का ध्यान नहीं जायेगा। मेला बजट का बंदरबांट हो जायेगा। उन्होंने कहा कि पहली बार हुआ कि पाटूंन पुल निर्माण में लगने वाले साल स्लीपर की खरीदारी का टेंडर कई बार कैंसिल हुआ जिसकी वजह से अभी तक साल स्लीपर की पूरी सप्लाई नहीं हो पाई जो सोचनीय गंभीर विषय है।

प्लास्टिक का दुरूप्रयोग रोकने के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, मुख्यालय, प्रयागराज की अध्यक्षा श्रीमती चेतना जोशी के मार्गदर्शन में टेण्डर फीट स्कूल के बच्चों को प्लास्टिक का दुरूप्रयोग रोकने के लिए यह नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। प्लास्टिक खाकर कई जानवर अपनी आयु से पूर्व ही मृत्यु को प्राप्त हो जा रहे है। प्लास्टिक से पर्यावरण को काफी नुकसान है।

खेलकूद प्रतियोगिता के तीसरे दिन भी रहा काशी प्रान्त का दबदबा

प्रयागराज। विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 35वें क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के द्वितीय दिवस की सम्पूर्ण प्रतियोगिताओं के समापन के बाद ज्वाला देवी सिविल लाइन्स परिसर में विभिन्न प्रकार के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में इलाहबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति शम्भूनाथ श्रीवास्तव, मुख्य अतिथि के रूप में ई० हर्षवर्धन बाजपेई, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ० हरेश प्रताप सिंह एवं हेमचन्द व डॉ० राम मनोहर की विशेष उपस्थिति रही। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारम्भ आये हुए अतिथियों के द्वारा माँ सरस्वती व भारत माता के चित्र के सम्मुख दीपार्चन एवं पुष्पार्चन से हुआ। तत्पश्चात संभाग निरीक्षक गोपाल तिवारी के द्वारा आये हुए अतिथियों का परिचय एवं सम्मान कराया गया।कार्यक्रम की अगली कड़ी में सरस्वती शिशु मंदिर सिविल लाइन्स द्वारा कजरी नृत्य एवं ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर गंगापुरी के द्वारा लोक नृत्य तथा माधव ज्ञान केंद्र नैनी के द्वारा कृष्ण सुदामा प्रसंग (अरे द्वार पालों,...) प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंजीनियर हर्षवर्धन बाजपेई ने अपने उद्बोधन में कहा कि हाईस्कूल इंटरमीडिएट की शिक्षा तो हर विद्यालय में मिलती है ।

प्रदेश सरकार सपा समर्थक मुस्लिम विधायकों, नेताओं को परेशान कर रही- माता प्रसाद पाण्डेय

प्रयागराज(आरएनएस)। उत्तरप्रदेश विधानसभा में नेता विरोधी दल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने आज प्रयागराज सर्किट हॉउस में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार समाजवादी पार्टी के मुस्लिम विधायकों नेताओं तथा समर्थकों को चुन चुन कर परेशान कर रही है। नेता विरोधी दल आज नैनी जेल में बंद भदोही के सपा विधायक जाहिद बेग से मिलने आये थे। उन्होंने यह भी कहा कि सपा नेता आजम खान से तो उन्हें मिलने ही नहीं दिया गया। अताउर्रहमान, इरफान सोलंकी आदि नाम गिनाते हुए कहा कि इन्हें अनावश्यक परेशान किया जा रहा है। भदोही में कार्यकर्ताओं को परेशान किये जाने का प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह स्वयं वहां भी जायेंगे और कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरने नहीं देंगे।

उपचुनाव को मजबूती के साथ लड़ने का दावा करते हुए कहा कि इण्डिया गठबंधन के सभी प्रत्याशियों की जीत होगी। आने वाले 2027में प्रदेश से भाजपा का पूरी तरह से सफाया होगा।

स्वागत करने वालों में प्रदेश महासचिव प्रकाश राय उर्फ लल्लन राय, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, पूर्व सांसद धर्म राज पटेल, पूर्व विधायक हाजी परवेज अहमद, योगेश यादव,पूर्व प्रमुख संदीप यादव, तारिक सईद अज्जू, महबूब उस्मानी, रविन्द्र यादव, दान बहादुर मधुर, पंकज पटेल, सचिन श्रीवास्तव, महावीर यादव, रावेन्द्र मिश्रा, श्रीमती सत्यभामा मिश्रा, हरिओम शाहू, अजहर, सऊद आदि मौजूद रहे।

सी.एम.एस. प्रधानाचार्या देश के शीर्ष 50 प्रधानाचार्याओं में सम्मानित

लखनऊ, 9 अक्टूबर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज प्रथम कैम्पस की प्रधानाचार्या श्रीमती शिवानी सिंह को शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता एवं भावी पीढ़ी के चारित्रिक विकास व जीवन मूल्यों को बढ़ावा देने के अतुलनीय योगदान हेतु सम्मानित किया गया है एवं इण्डिया टुडे ग्रुप की मेजबानी में आयोजित एजूकेशन कॉन्क्लेव में देश के शीर्ष 50 प्रधानाचार्याओं में शामिल किया गया है। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस उपलब्धि हेतु श्रीमती शिवानी सिंह को हार्दिक बधाई दी है। प्रो. किंगडन ने कहा कि सी.एम.एस. प्रधानाचार्याओं एवं शिक्षकों की लगन व कर्तव्यनिष्ठा के बलबूते ही विद्यालय दिन प्रतिदिन नये कीर्तिमान गढ़ रहा है जिस पर सिर्फ लखनऊवासियों को ही नहीं अपितु पूरे प्रदेश व देश को गर्व है। श्रीमती शिवानी सिंह शैक्षिक क्षेत्र में नवीनता व उत्कृष्टता के अभिनव प्रयोग के साथ ही भावी पीढ़ी को शैक्षिक उत्कृष्टता के साथ ही जीवन मूल्यों से जोड़कर कर एक आदर्श नागरिक बनाने के प्रयासों में अनवरत संलग्न हैं, साथ ही समग्रता से परिपूर्ण उद्देश्यपूर्ण शिक्षा पद्धति के विकास में महती भूमिका निभा रही हैं। श्री खन्ना ने आगे कहा कि सी.एम.एस. एक जागरूक विद्यालय के रूप में अपने छात्रों को भौतिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक तीनों प्रकार की शिक्षा देकर उन्हें चुस्त एवं संतुलित व्यक्तित्व का धनी, मानव जाति की सेवा के लिए ईश्वर का उपहार एवं टोटल क्वालिटी पर्सन बनाने में सतत् प्रयासरत है।

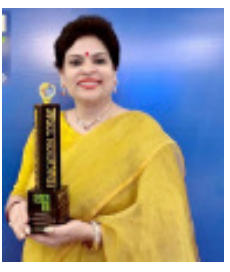

यूटा ने की महानवमी पर अवकाश की माँग

मथुरा यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के जनपदीय पदाधिकारियों ने 11 अक्टूबर को महानवमी का अवकाश घोषित किए जाने हेतु जिला प्रशासन एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन देकर अवकाश किये जाने की माँग की है। यूटा के जिलाध्यक्ष अंशुल गौतम व जिला महामंत्री प्रशान्त सारस्वत ने यूटा के समस्त पदाधिकारियों सहित ज्ञापन देते हुए अवगत कराया कि महानवमी का पर्व घर–घर में सुबह से ही पूजा अर्चना के साथ मनाया जाता है क्यों की अधिकांश महिलाएं और पुरुष नवरात्रि के नौ दिन के व्रतो को पूर्ण कर इस दिन पूजा पाठ कर भोजन करते है।महानवमी के पर्व पर प्रत्येक वर्ष अवकाश होता रहा है लेकिन जनपद में इस वर्ष तातिलनामा में महानवमी का अवकाश दर्ज नहीं किया गया है जबकि प्रदेश के अन्य कई जनपदों में महानवमी का अवकाश घोषित किया जा चुका है। इस बार महानवमी का पर्व शुक्रवार 11 अक्टूवर को है इसलिए यूटा ने इस पर्व पर अवकाश की माँग की है।इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी नेत्रपाल सिंह निमोरिया,ब्लॉक अध्यक्ष बलदेव सौरभ सारस्वत सहित सभी पदाधिकारीयो ने हर वर्ष की भांति महानवमी के इस पावन पर्व पर अवकाश किए जाने की मांग की है।

अष्टभुजा दुर्गा मंदिर नानपारा में डंडियां का आयोजन

तहसील नानपारा अंतर्गत नानपारा के सप्त रूपा अष्टभुजा दुर्गा मंदिर नानपारा में आज विद्यालय के बच्चों के द्वारा डंडियां का आयोजन मंदिर के प्रबंधक श्री धर्मेन्द्र कुमार श्रीवास्तव जी के द्वारा आयोजित किया गया और कार्यक्रम में सम्मिलित समस्त बच्चों को नानपारा दुर्गा शक्ति के अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार गुप्ता के द्वारा पुरस्कृत कर उत्साह वर्धन किया इस आयोजन में सरस्वती शिशु मंदिर, साफ्ट पीटल, जयपुरिया, दादा पब्लिक स्कूल के बच्चों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया इस अवसर पर प्रकाश वीर गुप्ता, अंकिता मौर्य,ओम प्रकाश, मनोज

कुमार गुप्ता, राघवेन्द्र कश्यप सहित सैकड़ों धर्म प्रेमी व्यक्ति उपस्थित रहे।डा वीरांगना श्रीवास्तव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत इलेक्ट्रिक बस चालकों से किया गया संवाद

सड़क सुरक्षा यातायात पखवाड़े (02अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक) के तहत ट्रैफिक इन्स्पेक्टर पवन कुमार पाण्डेय द्वारा प्रयागराज सिटी ट्रांसपोर्ट के इलेक्ट्रिक बस चालकों को वरिष्ठ केन्द्र प्रभारी कमलेश मिश्रा के नेतृत्व में यातायात के प्रति जागरुक किया गया तथा यातायात के दस स्वर्णिम सिद्धान्त के बारे में विस्तृत जानकारी दी साथ ही साथ अपनी बाद चौराहों से उचित दूरी पर खड़ी करने वा आगामी 2025 में होने जा रहे दिव्य और भव्य कुंभ को कैसे और अच्छा बनाया जाए चालक अतिथियों का कैसे स्वागत करेंगे प्रेम पूर्वक बात करके बैठाएं,गाड़ियों से उचित दूरी वा निर्धारित गति में चलाएं ,सड़क के चिन्हों के बारे में अवगत कराया,आपने ड्राइविंग लाइसेंस डीजी लाकर, एम परिवहन एप में भी रख सकते है ये ऐप सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है। वाहन चलाते ड्रेस पहने, नशा का

सेवन कत्तई न करें।इस जागरूकता अभियान के अंत में अमीर नजीर मैनेजर ग्रीन सेल प्रयागराज ने अपने चालकों के तरफ से भरोसा दिलाया कि सभी चालक यातायात के नियमों का पालन कर रहे हैं आगे भी करते रहेंगे,इस दौरान मुकेश कुमार रोड सेफ्टी मैनेजर,अमित मिश्रा मैनेजर संचालन,राहुल यादव लेखाकार पीसीटीएसएल,उमेश पाल,रवि कुमार वा समाजसेवी नितीश शुक्ल, यातायात टीम से संदीप शुक्ल, राजित कुमार, सतेन्द्र कुमार मौजूद रहे।

14 नवंबर भोपाल रविंद्र भवन में संस्कार सेनाका कार्यक्रम होना तय

मुख्य अतिथि होंगे संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी

9 अक्टूबर को संस्कार सेना के संस्थापक हरभजन जांगड़े युवा प्रकोष्ठ राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित यादव राष्ट्रीय सचिव अलका धुर्वे सहित 5 सदस्यीय टीम ने संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी जी से मुलाकात कर 14 नवंबर बाल दिवस पर रविंद्र भवन भोपाल में आयोजित कार्यक्रम का आमंत्रण दिया मंत्री श्री लोधी जी ने माता–पिता के सम्मान में संस्कार सेना द्वारा चलाई जा रही मुहिम की सराहना करते हुए तत्काल अपने ओ एस डी को कार्यक्रम शेड्यूल में सम्मिलित करने का आदेश दिया

संस्कार सेना के सभी प्रदेश के पदाधिकारीयों से विनम्र आग्रह है कि ट्रेन के टिकट करवा ले कार्यक्रम का समय प्रातः 10रू00 बजे से 3रू00 बजे तक रहेगा बाहर से आने वाले सभी पदाधिकारीयों एवं कार्यक्रम में शमिल स्कूल के छात्र–छात्राओं व स्कूल संचालकों के भोजन की व्यवस्था रहेगी

यति नरसिंहानंद की गुस्ताखी असहनीय - पूर्व मंत्री अनीस मंसूरी

लखनऊ। पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अनीस मंसूरी ने कहा कि इस्लाम के पैगम्बर हजरत मोहम्मद मुस्तफा (स.अ.) की शान में यति नरसिंहानंद की गुस्ताखी असहनीय है। उन्होंने कहा कि नफरती यति नरसिंहानंद द्वारा इस्लाम के पैगम्बर हजरत मोहम्मद (स.अ.) की शान में कहे गए निंदनीय शब्द न सिर्फ भारत बल्कि पूरे विश्व के मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले असहनीय हैं। श्री मंसूरी ने कहा कि सरकार को ऐसे बदजुबान व्यक्ति पर एनएसए के तहत मुकदमा चलाना चाहिए। क्योंकि यह करोड़ों मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि अगर प्रतिक्रिया में विश्व भर के मुसलमान भड़क गए तो पूरे देश की शांति व्यवस्था भंग हो सकती है और इसका जिम्मेदार यति नरसिंहानंद होगा।

अनीस मंसूरी ने कहा कि इस्लाम की अवधारणा स्पष्ट है कि सभी धर्मों के जो पवित्र हस्तियां हैं, चाहे हम उन पर विश्वास रखते हों या न रखते हों, लेकिन हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम उनका सम्मान करें, उनका अनादर करने से बचें और उनके अनुयायियों के दिलों को ठेस पहुँचाने से बचें।

श्री मंसूरी ने कहा कि इस्लाम एक खुदा में विश्वास रखता है, मूर्ति पूजा में विश्वास नहीं रखता है लेकिन जिन देवी देवताओं को दूसरे समुदाय पूजते हैं कुरान मजीद में उन्हें बुरा भला कहने से मना किया गया है, यह है धर्म, अकधिदा और धर्म के मामले में वह सही मार्ग जिससे समाज में शांति व्यवस्था कायम रह सकती है और जो समाज के सभी वर्गों को जोड़ सकता है। उन्होंने मुसलमानों से अपील की है कि यह एक सिरफिरे व्यक्ति का बयान है। यह आम देशवासियों की यह सोच नहीं है। हमारे देश में आज भी ऐसे हमवतनी भाई हैं जिन्होंने पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब की जीवनी लिखी है। जिन्होंने हजरत मोहम्मद साहब के सम्मान में नातिया कलाम कहा है, हमारे सामने महात्मा गांधीजी की शिक्षाएं हैं जिन्होंने हजरत मोहम्मद साहब के जीवन को आज की मानवता के लिए एक आदर्श बताया है। इसलिए अगर कोई सिरफिरा और बदजुबान शख्स अपनी जुबान की गन्दगी को बेतुकी और बेहूदा बातें करके दिखाता है तो यह नहीं समझना चाहिए कि यह देश के सभी हमवतनी भाइयों की यही सोच है, बेशक हमें भी इस घटिया भाषा के विरुद्ध कघनूनी लड़ाई लड़नी चाहिए और सरकार से इस व्यक्ति को सही मायने में सजा देने की मांग करनी चाहिए और साथ ही हमें पैगम्बर साहब का सही परिचय और जीवनी, आपकी नैतिकता, आपकी उच्च शिक्षाएं, आपका मानवतावाद और आपने जीवन जीने का जो सुंदर तरीकघ दिया उस पद्धति का परिचय प्रस्तुत करना चाहिए।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

लखनऊ। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 10 अक्टूबर की पूर्व संध्या पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू क्षेत्रीय केंद्र एवं कौशल विकास एवं उद्यमशीलता भारत सरकार के जन शिक्षण संस्थान गोमती नगर, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में नाका स्थित प्रशिक्षण केंद्र मानसी सेवा संस्थान में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता रहे डॉ कीर्ति विक्रम सिंह सहायक निदेशक इग्नू ने कहा कि अच्छा मानसिक स्वास्थ्य व्यक्तित्व निर्माण के लिए अति आवश्यक है इससे व्यक्ति की कार्यकुशलता भी बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा बर्ष 1992 से इस दिवस को वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है। इस बर्ष की थीम ९ कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य ९ है ।शशि भूषण बालिका महाविद्यालय की सहायक आचार्य डॉ अंशुल सिंह ने लोगों को तनाव मुक्त रहकर सकारात्मक ऊर्जा से साथ अपने कार्यों को सम्पादित करने के गुर सिखाए। इस अवसर पर मनोवैज्ञानिक व चौतन्य वेलफेयर फाउंडेशन की प्रमुख डॉ ओम सिंह ने कहा व्यक्ति अपनी दिनचर्या में समय का अनुपालन करते हुए व संतुलित आहार से अपना मानसिक स्वास्थ्य उत्तम कर सकते हैं। जोकि एक सफल जीवन के लिए अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। संस्थान के निदेशक अनिल कुमार श्रीवास्तव ने कौशलपरक शिक्षा के लिए व्यक्ति को मानसिक रूप से स्वस्थ होना अति आवश्यक तभी वे सबल व सक्षम हो सकेंगे। कार्यकम का संचालन करते हुए मानसी सेवा संस्थान की निदेशक मुक्ता शुक्ला ने अध्यात्म से तनाव मुक्ति पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संयोजन संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी पन्नालाल ने किया । कार्यक्रम में इग्नू के समाज कार्य विभाग के शिक्षार्थियों ने प्रश्नोत्तरी के माध्यम से लोगों के मानसिक स्तर का आंकलन किया। कार्यक्रम में लगभग 60 लोग उपस्थित रहे जिनमें अधिकांश महिलाएं और बालिकाएं थीं।

लखीमपुर खीरी में बीजेपी विधायक को जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष ने जड़ा थप्पड़, वीडियो वायरल

लखीमपुर खीरीरू उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में बीजेपी विधायक योगेश वर्मा को एक युवक ने थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद विधायक समर्थकों ने युवक के साथ मारपीट की। मौके पर मौजूद पुलिस ने बीच–बचाव किया। विधायक योगेश वर्मा को थप्पड़ मारने का वीडियो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। अर्बन कोऑपरेटिव बैंक में बवाल के चलते पूर्व सभापति पुष्पा सिंह के पति अवधेश सिंह और उनके साथियों ने बीजेपी विधायक योगेश वर्मा से मारपीट की है। विधायक योगेश वर्मा ने अर्बन कोऑपरेटिव बैंक चुनाव में धांधली का आरोप लगाया है।अर्बन कोऑपरेटिव बैंक चुनाव के दौरान भारी बवाल हो गया। जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष ने सदर सीट से बीजेपी विधायक पर थप्पड़ बरसा दिए। जिला अधिवक्ता संघ की पत्नी बैंक अध्यक्ष पद की दावेदार हैं। विधायक की पिटाई पुलिस की मौजूदगी में हुई है। अर्बन कोऑपरेटिव बैंक मे सभापति का चुनाव होना है, जिसको लेकर बुधवार को डेलीगेट के लिए नामांकन दाखिल हो रहे थे। आरोप है कि विधायक का समर्थक पर्चा दाखिल करने के लिए बैंक पहुंचा तो पूर्व बैंक अध्यक्ष पुष्पा सिंह ने उसका पर्चा फाड़ दिया और उसकी पिटाई की। इससे बखेड़ा खड़ा हो गया। सदर विधायक भी अपने समर्थकों के साथ बैंक पहुंचे। इसी दौरान सामने से आ रहे जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अवधेश सिंह ने उन पर थप्पड़ बरसा दिए और जमकर पिटाई की और विधायक का कुर्ता भी फाड़ दिया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

भाजपा विधायक का आरोप है कि चुनाव में जमकर धांधली हो रही थी। विरोध करने पर जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष ने उनकी पिटाई की है। अधिवक्ता संघ अध्यक्ष की पत्नी पुष्पा सिंह पहले अध्यक्ष रह चुकी हैं और अब वह दोबारा फिर जबरन अध्यक्ष बनना चाह रहीं हैं। इसको लेकर जो भी पर्चा दाखिल करने जाता है, उसका पर्चा फाड़ दिया जाता है। बवाल के बाद भारी पुलिस बल मौके पर तैनात है।

रामनगरी में 25 लाख से अधिक दीए जलाने की तैयारी, बनेगा विश्व रिकार्ड

अयोध्या(आरएनएस)। रामलला के नये मंदिर में विराजित होने के बाद पहली दीपावली बेहद भव्य और दिव्य होने जा रही है। सीएम योगी के कुशल मार्गदर्शन में में सकल विश्व में एक यूनीक इवेंट के तौर पर अपनी पहचान बना चुके अयोध्या के दीपोत्सव कार्यक्रम में इस बार भी नया विश्व रिकॉर्ड कायम करने की तैयारी है। रामनगरी में छोटी दीपावली पर 55 घाटों पर 25 लाख से अधिक दीए प्रज्ज्वलित होंगे जिसकी अगुआई खुद डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल कर रही हैं। उनके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय प्रशासन ने 30 हजार स्वयंसेवकों को लगाने की तैयारी की है, जिनकी मदद से सातवीं बार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में अयोध्या धाम का नाम दर्ज होगा। खास बात ये है कि 25 लाख दीए जलाने का लक्ष्य हासिल करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा 28 लाख दीए बिछाये जाएंगे।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद का पहला दीपोत्सव ऐतिहासिक बनाया जायेगा। आठवें दीपोत्सव को भव्य बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने कमर कस ली है। दीपोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। दीपोत्सव में सहभागिता के लिए पंजीकरण की तिथि विस्तारित कर दी है। अब 15 अक्टूबर तक सहभागिता हेतु पंजीकरण कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त स्वयंसेवकों के दीपोत्सव आईकार्ड को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। 20 अक्टूबर से स्वयंसेवकों को आईकार्ड का वितरण शुरू कर दिया जायेगा। दीपोत्सव की तैयारियों को लेकर नोडल समन्वयक प्रो0 एसएस मिश्र ने बताया कि राम पैड़ी के 55 घाटों पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिए गए 25 लाख दीए प्रज्ज्वलित किए जाने के लक्ष्य को लेकर 28 लाख दीए बिछाये जायेंगे, जिसके लिए 30 हजार स्वयंसेवक तैनात किए जायेंगे। विवि परिसर सहित 14 महाविद्यालय, 37 इण्टर कालेज, 40 एनजीओ शामिल है। विश्वविद्यालय द्वारा मैपिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है। 17 या 18 अक्टूबर से घाटों पर कर्मियों द्वारा मार्किंग का कार्य होगा। योजना के अनुसार, राम की पैड़ी के सभी घाटों पर 16 गुणे 16 ब्लॉक में 30 एमएल दीए में 30 एमएल सरसों का तेल पड़ेगा। सभी दीयों में कुल मिलाकर 90 हजार लीटर सरसों के तेल लगेगा जिसके इंतेजाम के लिए जिला प्रशासन के सहयोग से पूरा किया जा रहा है। दीपोत्सव में सहभागिता के लिए पंजीकरण का कार्य 15 अक्टूबर तक पूरा कर लिया जायेगा। 20 अक्टूबर से स्वयंसेवकों का आईकार्ड का वितरण शुरू कर दिया जायेगा। 26 अक्टूबर से घाटों पर दीए की खेप पहुंचनी शुरू हो जायेगी। 27 अक्टूबर से स्वयंसेवकों द्वारा घाटों पर दीए बिछाने के साथ 30 अक्टूबर को दीए प्रज्ज्वलित करके विश्व रिकार्ड बनायेंगे। मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि जिला प्रशासन व विवि के सहयोग से दीपोत्सव को एतिहासिक बनाने के लिए कार्यो को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

राजस्व निरीक्षक के घर चोरी का पुलिस ने किया खुलासा

मिल्कीपुर–अयोध्या (आरएनएस)। कुमारगंज थाना क्षेत्र स्थित बरई पारा गांव के पास मकान बना कर रह रहे राजस्व निरीक्षक के घर डेढ़ माह पूर्व हुई चोरी की बड़ी घटना का कुमारगंज पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने चोरी में संलिप्त तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए चोरों के कब्जे से पुलिस ने चोरी किए गए कुछ आभूषण और नकदी भी बरामद कर ली है। हालांकि पुलिसिया कार्यवाही से पीड़ित राजस्व निरीक्षक का परिवार पूरी तरह से असंतुष्ट है।

बताते चलें कि कुमारगंज थाना क्षेत्र के चिलबिली चौकी क्षेत्र अंतर्गत गनेशपुर निवासी राजस्व निरीक्षक हरिश्चंद्र सिंह अयोध्या रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित बरईपारा गांव के पास मकान बनाकर परिवार सहित निवासरत हैं। उनके पिता का निधन हो गया था। जिसके बाद पूरा परिवार पैतृक गांव गनेशपुर चला गया था। बीते 25ध्26 अगस्त की रात चोरों ने उनके घर को निशाना बनाया और घर के मेन गेट में बंद ताले को तोड़ दिया। घर के आखिरी छोर पर स्थित उनके बहू के कमरे में बंद गेट का लॉक तोड़कर अंदर घुस गए चोरों ने अलमारी का लॉक तोड़ा और लॉकर में रखे सोने एवं चांदी के आभूषण सहित नकदी भी पार कर दिए थे। घटना की जानकारी राजस्व निरीक्षक के बेटे सत्येंद्र सिंह को सोमवार सुबह घर पहुंचने के बाद हुई थी। मामले में पीड़ित राजस्व निरीक्षक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर घटना की छानबीन शुरू कर दी थी। मामले में पुलिस ने दो चोरों रणवीर उर्फ मनीष पुत्र वीरेंद्र, कथा करण गुप्ता उर्फ राहुल पुत्र मुन्ना निवासी कानपुर को पहले ही गिरफ्तार कर अयोध्या जेल भेज दिया था। इसके अलावा घटना का मास्टरमाइंड बॉबी इटावा जेल में है। प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम के उप निरीक्षक और सिपाही अजय यादव तथा शशिकांत मिश्रा घटना में शामिल तीन अन्य लोगों को थाना क्षेत्र स्थित रामगंज उपाध्याय पर मोड पर मौजूद होने की जानकारी मिली और उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि उपरोक्त तीनों लोग अयोध्या जेल में बंद रणवीर और करण गुप्ता की जमानत की परवी में फैजाबाद शहर जाने के फिराक में खड़े हैं। कुमारगंज पुलिस ने घटना में शामिल तीन चोरों सोहिल उर्फ कल्लू उर्फ करण पुत्र सुलेमान निवासी एसपी आवास कॉलोनी के पीछे काशीराम नगर कानपुर, वीरेंद्र चक्र पुत्र राधेश्याम निवासी शहरी थाना जनपद औरैया और चोरी का माल खरीदने वाले व्यापारी प्रतोष कटियार पुत्र गंगाराम निवासी कानपुर नगर बरहट कानपुर को थाने लाकर उनसे कड़ी पूछताछ की। पुलिस ने उनके कब्जे से 30 ग्राम सोने के आभूषण एवं 116 ग्राम चांदी के आभूषण भी बरामद किए पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चार पहिया वाहन होंडा सिटी कार रजिस्ट्रेशन नंबर डी एल 4 सी ए एच 9346 भी बरामद कर लिया है। पुलिस ने पकड़े गए तीनों लोगों को जेल भेज दिया है।

वन विभाग की टीम पिंजरा लगाकर कर रही गस्त, तीन दिन बाद भी खाली हाथ

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। मिल्कीपुर क्षेत्र में पिछले चार दिनों से आदमखोर जंगली जानवर का खौफ बरकरार है। वन विभाग गणेशपुर में पिंजरा भी लगाने का दावा कर रहा है क्षेत्र में लगातार बनकर्मियों की टीम गस्त कर रही हैं फिर भी तीन दिन बीत जाने के बाद वन विभाग खाली हाथ है वन विभाग ने अभी तक ना तो हिंसक जानवर के पक्षी ने खोज पाए हैं और ना ही हिंसक जानवर का कोई ठिकाना बताने में कामयाब हुए हैं जबकि हिंसक जानवर लगभग 15 किलोमीटर परिधि के आधा दर्जन गांवों में दस्तक दे चुका है। 15 लोगों से अधिक घायल भी हैं। मेडिकल स्टोरों पर रैबीज इंजेक्शन की निडिल कम पड़ गई। मंगलवार को सुबह बिसुही नदी के किनारे बसे सिंधौरा गांव के लोगों ने भेड़िया को चहलकदमी करते हुए देखा था। उसके बाद से हिंसक जानवर का कोई लोकेशन नहीं मिला। फिलहाल क्षेत्र में जबरदस्त दहशत छायी हुई है।

शाम होते ही लोग अपने घरों में दुबक जाते हैं। यदि जरूरी काम से रात में बाहर निकलना भी पड़ा तो अकेले कतई नहीं निकल रहे हैं। सोमवार की रात हिंसक जानवर की जिले के दक्षिणी सीमा पर बिसुही नदी के किनारे सिंधौरा गांव में पहुंचने की सूचना थी। इसके पहले आदिलपुर, उरुवा वैश्य, स्वर्णवर्षा, महोलिया, खड़भड़ेपुर, जमोलिया, भिच्छु का पुरवा एवं लाला का पुरवा में हिंसक जानवर के हमले में करीब 15 लोग घायल हो चुके हैं। वहीं हैरिंग्टनगंज ब्लॉक के गनेशपुर चिलबिली से लेकर परसपुर सथरा, पलिया लोहानी, सिंधौरा, बसवार कला, के अभिषेक सिंह, मनीराम, रवि कुमार, दातादीन, त्रिलोकी आदि ने बताया नहीं फंसा है।

चर्चित स्वास्थ्य कर्मी के बंद कमरे का प्रशासन ने तुड़वाया ताला

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। मिल्कीपुर सीएचसी पर बिगत तीन दशकों से राज कर रहे चर्चित स्वास्थ्य पर्यवेक्षक डीपी यादव का तिलिस्म आखिरकार प्रशासन की त्यौरी चढ़ते ही टूट ही गया है। नायब तहसीलदार मिल्कीपुर के नेतृत्व में सीएचसी अधीक्षक मिल्कीपुर ने आवासीय भवन में किए गए अवैध कब्जे को खाली कराया। तीन दशकों से मिल्कीपुर सीएचसी पर एक छत्र राज करने वाले डीपी यादव ने जबरन आवास पर कब्जा कर रखा था। बीते जनवरी माह में सीएमओ डॉ संजय जैन ने इस स्वास्थ्य पर्यवेक्षक का स्थानान्तरण सीएचसी सोहावल में कर दिया था। लेकिन डीपी यादव अब भी जबरन तरीके से इस आवास में रह रहा था। उसका आवास तो खाली कराया जा चुका है। लेकिन सबसे बड़ी सिर दर्दी अभी एनएचएम दस्तावेज को लेकर है। जो इस स्वास्थ्य पर्यवेक्षक के द्वारा अब तक सीएचसी अधीक्षक को उपलब्ध नही कराए गए हैं। अभी कुछ दिन पहले ही सीएमओ के द्वारा जिले के एक लिपिक पर मुकदमा भी पंजीकृत कराया गया है। लेकिन इस स्वास्थ्य पर्यवेक्षक पर आलाकमान अभी भी मेहरबान हैं। यह वही स्वास्थ्य पर्यवेक्षक है। जिसके खिलाफ फर्जी दस्तावेजों के सहारे नौकरी हासिल करने का मुकदमा उच्च न्यायालय लखनऊ खंड पीठ में विचाराधीन है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरुवार 10 अक्टूबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

संपादकीय

लोग किसके वंश को अपना नेतृत्व सौंपेंगे

कांग्रेस पर वंशवाद का आरोप इस हद तक चढ़ा कि पार्टी की जड़ें कमजोर करने में उसकी प्रमुख भूमिका रही। लेकिन तब जो दल और नेता कांग्रेस को निशाना बनाते थे, मौका मिलते ही वे सियासत में अपना वंश बढ़ाने में जुट गए।वैसे चर्चा पहले से थी, लेकिन अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने अपने बेटे उदयनिधि मारन को अपना औपचारिक उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है। ठीक उसी तरह जैसे उनके पिता एम। करुणानिधि ने स्टालिन को अपना उत्तराधिकारी बनाया था। करुणानिधि ने अपनी दूसरी संतानों को भी राजनीति में यथासंभव स्थापित करने में अपनी पूरी ऊर्जा लगाई। उदयनिधि को उप–मुख्यमंत्री बना दिया है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि इसे एक स्वाभाविक घटना के रूप में लिया गया है। यहां तक कि अखिलेश यादव सहित कुछ नेताओं ने उदयनिधि को बधाई भी दी है। अखिलेश खुद अपने पिता का उत्तराधिकार संभाल रहे हैं। यह भारतीय लोकतंत्र की अजीबोगरीब कहानी है। आज देश का नक्शा लेकर राज्य दर राज्य नजर डालिए, तो ऐसे उत्तराधिकारी हर जगह नजर आएंगे! ऐसी घटनाएं इतनी आम हो गई हैं कि अब वैसा गुस्सा नजर नहीं आता, जिसकी कभी कांग्रेस को भारी कीमत चुकानी पड़ी थी।जब इंदिरा गांधी ने 1970 के दशक में संजय गांधी को अपने उत्तराधिकारी के रूप में आगे बढ़ाना शुरू किया, तो समाज में उसको लेकर एक तरह की वितृष्णा देखी गई। एक विमान हादसे में संजय गांधी की मौत के बाद जब तत्कालीन प्रधानमंत्री अपने बड़े बेटे राजीव गांधी को उनकी पायलट की नौकरी छुड़वा कर राजनीति में खींच लाईं, तो यह वितृष्णा और बढ़ी। जब इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी को प्रधानमंत्री बनाया गया, तो अनेक लोगों ने कहा था कि यह घटना भारतीय नागरिकों को श्प्रजा्य बना देना है।कांग्रेस पर वंशवाद का आरोप इस हद तक चढ़ा कि पार्टी की जड़ें कमजोर करने में उसकी प्रमुख भूमिका रही। लेकिन तब जो दल और नेता कांग्रेस को निशाना बनाते थे, मौका मिलते ही वे सियासत में अपना वंश बढ़ाने में जुट गए। भाजपा और कम्युनिस्ट पार्टियां ही शायद ऐसे दल बचे हैं, जहां सर्वोच्च स्तर पर वंश के आधार नेतृत्व तय नहीं हुआ है। हालांकि निचले स्तर पर वहां भी ऐसी मिसालें कम नहीं हैं। इस तरह चुनावी लोकतंत्र में सामंतवाद की वापसी हो गई है। अब चुनावों में सवाल सिर्फ यह रह गया है कि लोग किसके वंश को अपना नेतृत्व सौंपेंगे!

भारत के पोषण लाभ और प्रगति को और मजबूत करने और निरंतरता बनाए रखने की दिशा की ओर

समग्र कल्याण के लिए अच्छा पोषण बेहद जरुरी है और राष्ट्र के स्वास्थ्य और विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। पर्याप्त पोषण मिलने से, खासकर गर्भावस्था के दौरान, जन्म लेने वाले शिशु स्वस्थ होते हैं और उनकी जीवनभर बेहतर स्वास्थ्य के साथ जीवन का आनंद लेने की संभावना ज्यादा होती है। बचपन में उचित पोषण प्राप्त होने का असर बच्चों की बेहतर आईक्यू, उत्पादकता में वृद्धि और वयस्क होने पर बेहतर धन संग्रह पर भी पड़ता है। गर्भाधान के पहले 1,000 दिनों के दौरान पोषण को प्राथमिकता देना, किसी भी पीढ़ी में कुपोषण के चक्र को तोडने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पिछले साल कोपेनहेगन सहमति की एक रिपोर्ट के अनुसार, सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पोषण में निवेश करना सबसे प्रभावी रणनीति है। 7वां राष्ट्रीय पोषण माह 1 सितंबर से 30 सितंबर, 2024 तक मनाया गया। इस संदर्भ में, यह जानना बेहद जरुरी है कि शारीरिक स्वास्थ्य के अलावा भी कुपोषण के दीर्घकालिक प्रभाव देखे जाते है, जो खासकर सामाजिक–आर्थिक स्थितियों को भी प्रभावित करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में पीएम–पोषण योजना, एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस), लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) जैसे विभिन्न मंत्रालयों के सहयोगात्मक प्रयास इसी समझ को दर्शाते हैं। पोषण में आत्मनिर्भररू आंगनवाड़ी और पोषण वाटिका महिला और बाल विकास मंत्रालय (एमओडब्ल्यूसीडी) के नेतृत्व में सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 जैसे कार्यक्रम, पोषण परिणामों में सुधार लाने और बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और नर्सिंग माताओं में कुपोषण की चुनौतियों का समाधान करने के मकसद से संस्थागत समर्थन का एक अनूठा मॉडल पेश करते हैं। सक्षम आंगनवाड़ी पहल के तहत, आंगनवाड़ी केंद्र (एडब्ल्यूसी) बुनियादी पोषण सहायता के इतर भी व्यापक सेवाएं प्रदान करते हैं। इन सेवाओं में स्वस्थ भोजन, प्रसवपूर्व और प्रसव के बाद की देखभाल, स्तनपान की प्रक्रिया और पूरक आहार के महत्व पर मार्गदर्शन देना शामिल हैं। अपने नियमित स्वास्थ्य जांच अभ्यासों के जरिए, यह कुपोषण और अन्य स्वास्थ्य मुद्दों के लिहाज से बच्चों का मूल्यांकन करता है और उचित सहायता प्रदान करता है।

आंगनवाड़ी केंद्रों को बचपन के समय में ही प्रारंभिक विकास को बढ़ावा देते हुए मातृ एवं बाल पोषण प्रयासों में सहायता करके, देखभाल की निरंतरता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। कुपोषण से निपटने के लिए नीति निर्माण में डेटा–संचालित समाधान सुनिश्चित करने में होने वाली प्रगति ही पोषण ट्रैकर की शुरूआत है। यह बेहद सक्रिय मंच, पोषण सेवाओं की योजना, निष्पादन और निगरानी में सहायता करता है ताकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कुपोषित बच्चों की पहचान कर सकें और सेवाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाया जा सके।

इस योजना के तहत एक अन्य पहल पोषण वाटिका (पोषण उद्यान) की भी शुरुआत की गई है। आमतौर पर आंगनवाड़ी केंद्रों में स्थापित इन किचन गार्डन का मकसद ताजा, स्थानीय रूप से उगाई गई सब्जियां और फल प्रदान करके बच्चों और महिलाओं के पोषण को बेहतर बनाना है। यह पहल न केवल सबसे जरुरतमंद लोगों के लिए उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता में सुधार करती है बल्कि आत्मनिर्भरता और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देकर समुदायों को सशक्त भी बनाती है। यह खाद्य योजनाओं को स्थानीय कृषि–जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप बनाने की अनुमति देता है, आहार विविधता और सतत् भोजन लेने की विचारधारा का समर्थन करता है।

जलवायु परिवर्तन के बीच खाद्य प्रणालियों की संवेदनशीलता के संदर्भ में भारत ने बाजरा को बढ़ावा दिया है, जो जलवायु के लिहाज से बेहतर और ज्यादा पौष्टिक हैं। वर्ष 2023 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मान्यता प्राप्त, ये फसलें प्रोटीन,जरुरी फैटी एसिड, फाइबर, विटामिन बी और प्रमुख खनिजों से भरपूर हैं, जो खासकर महिलाओं और बच्चों में एनीमिया जैसी कमियों को दूर करने में मदद करती हैं। बाजरा पोषण अभियान का एक प्रमुख भाग है और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से किशोर लड़कियों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली महिलाओं और छोटे बच्चों को प्रदान किए जाने वाले पूरक पोषण में शामिल है। कमजोर लोगों तक पहुंच बनानारू ज्यादा कुपोषण वाले वर्ग का सामुदायिक प्रबंधपोषण एक बहुक्षेत्रीय मुद्दा है, जिसके लिए बहु–क्षेत्रीय समाधानों की जरुरत है।

हर नाकामी आपको कामयाबी की अहमियत बताती है

सुशील कुमार सिंह

वाशु भगनानी और जैकी भगनानी पर अनेक लोग उन भुगतान नहीं करने के आरोप लगा रहे हैं। श्बड़े मियां छोटे मियां्य को इस साल की सबसे बड़ी फ्लॉप माना गया है। यह इन्हीं पिता–पुत्र की फिघ्ल्म थी जो हिंदी की सबसे महंगी फिघ्ल्मों में गिनी जाती है। इसे बनाने पर 350 करोड़ रुपए खर्च हुए, मगर बॉक्स ऑफिघ्स पर 100 करोड़ तक पहुंचने में इसका दम फूल गया। उसके बाद से ही भगनानी परिवार पर आरोपों का सिलसिला शुरू हो गया। निचले स्तर के वर्करों से लेकर इस फिघ्ल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर तक ने कहा कि उनके पैसे नहीं चुकाए गए हैं।

परदे से उलझती जिघ्ंदगी

दिनेश विजन की श्स्त्री–2्य अंधाधुंध नहीं चली होती तो हिंदी फिघ्ल्मों के डिस्ट्रीब्यूटरों और मल्टीप्लेक्स वालों में मुर्दनी सी छायी हुई थी। छिटपुट सफलताओं को छोड़ दें तो कई महीने से ज्यादातर फिल्में फ्घ्लॉप हो रही थीं और हताशा बढ़ा रही थीं। अब स्थिति कुछ बदली है, मगर अभी भी, यानी श्स्त्री–2्य की अप्रत्याशित कामयाबी के बावजूद 2024 का साल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के मामले में पिछले साल से बहुत पीछे है। अगले तीन महीनों में कई बड़ी फिल्में रिलीज होने को हैं जिनसे इसकी भरपायी की उम्मीद की जा रही है, लेकिन कौन जानता है कि वे आंकड़ों को सुधारेंगी या और बिगाड़ देंगी।

किसी उद्योग के वास्तविक हालात कभी भी उसके शीर्ष या ऊपरी परत के चेहरों की चमक से नहीं आंके जा सकते। असलियत तो उसके निचले पायदानों पर खड़े लोगों से ही पता चल सकती है। हर उद्योग में ये चेहरे पीछे छिपे होते हैं। किसी फिल्म के पिट जाने पर भी आप उसके हीरो, हीरोइन, निर्माता, निर्देशक आदि को हंसते–मुस्कुराते फिघ्ल्म की नाकामी या अपनी अगली फिघ्ल्म के बारे में मीडिया से बात करते देखते हैं। मगर जरूरी नहीं कि उसी फिघ्ल्म के निर्माण में शामिल रहे निचले स्तर के लोगों के लिए इस तरह मुस्कुराना इतना आसान हो।कई प्रोडक्शन हाउस हैं जो दिहाड़ी वाले वर्करों या छोटे–छोटे अनुबंध वाले लोगों का पैसा, श्बस दो–चार दिन में देते हैंघ्य कह कर वैसे भी टालते रहते हैं। और अगर फिघ्ल्म रिलीज होने तक उन्हें पैसा नहीं मिला और फिघ्ल्म फ्घ्लॉप हो गई तब तो उनका भुगतान महीनों तक खिसक सकता है। कमाल यह है कि उनका मेहनताना सबसे कम होता है, मगर सबसे ज्यादा खघ्तरा उसी पर मंडराता है। कहने को इंडस्ट्री में इन लोगों की भी तरह–तरह की एसोसिएशनें हैं जो उनके लिए लडने का दावा करती हैं। लेकिन अगर आप ढूंढने निकलें तो एक–एक करके सैंकड़ों ऐसे लोग मिल जाएंगे जिनका पैसा महीनों या सालों से लटका है या फिर जिसकी आस भी उन्होंने छोड़ दी है। मुंबई में लगभग साढ़े पांच लाख लोग फिघ्ल्म उद्योग से जुड़े बताए जाते हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या इन्हीं वर्गों के लोगों की है।

हमारे कई गंभीर फिघ्ल्म पत्रकार, जिनकी संख्या बहुत कम बची है, अक्सर शिकायत करते हैं कि इंडस्ट्री में कुछ ऐसे लोग हैं जिनकी प्रतिबद्धता फिघ्ल्मकारिता के प्रति नहीं है। वे अक्सर घटिया किस्म की फिघ्ल्में बनाते रहते हैं जो अधिकतर पिटती रहती हैं। फिर भी उनका फिघ्ल्म बनाना रुकता नहीं। कई बार तो संदेह होता है कि उनके पास इतना पैसा कहां से चला आ रहा है या फिघ्ल्में पिटने के बावजूद वे इतना पैसा क्यों खर्च किए जा रहे हैं। इनमें से कुछ लोगों के संबंध विदेशों से भी रहते हैं।

वैसे यह कोई नई या आज की बात नहीं है। बिल्डर और ब्रोकर किस्म के लोग तो आजादी के पहले से फिघ्ल्म निर्माण में कूदने लगे थे और उसके बाद भी लगातार रहे हैं। हमारे यहां बनने वाली फिघ्ल्मों की गिनती और उनमें घटिया फिघ्ल्मों का प्रतिशत बढ़ाने में सबसे बड़ा हाथ इन्हीं लोगों का रहा है। अगर ऐसे लोग फिघ्ल्में नहीं बनाते या उनकी बनाई फिघ्ल्मों को इंडस्ट्री के इतिहास से हटा दिया जाए, तब भी हमारी फिघ्ल्मों के विकास–क्रम, उसके उल्लेखनीय पड़ावों और फिघ्ल्मकारी के बार–बार बदलते मुहावरों की गाथा पर कोई असर नहीं पड़ता।

मगर कोई निर्माता किसी भी पृष्ठभूमि से हो, आखिर वह कितना नुक्सान बर्दाश्त कर सकता है। एक के बाद एक फिघ्ल्में फ्घ्लॉप होती ही चली जाएं तो एक समय ऐसा आता है जब वह सबका भुगतान कर पाने की हालत में नहीं रहता। क्या वाशु भगनानी और जैकी भगनानी उसी दशा में पहुंच चुके हैं? उनके लिए काम कर चुके अनेक लोग उन पर पूरा भुगतान नहीं करने के आरोप लगा रहे हैं। श्बड़े मियां छोटे मियां्य को इस साल की सबसे बड़ी फ्लॉप माना गया है। यह इन्हीं पिता–पुत्र की फिघ्ल्म थी जो हिंदी की सबसे महंगी फिघ्ल्मों में गिनी जाती है। इसे बनाने पर 350 करोड़ रुपए खर्च हुए, मगर बॉक्स ऑफिघ्स पर 100 करोड़ तक पहुंचने में इसका दम फूल गया।

उसके बाद से ही भगनानी परिवार पर आरोपों का सिलसिला शुरू हो गया। निचले स्तर के वर्करों से लेकर इस फिघ्ल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर तक ने कहा कि उनके पैसे नहीं चुकाए गए हैं। जफर अपने सात करोड़ रुपए बाकी बता रहे थे, पर निर्माताओं ने उलटे उन्हीं पर पैसे के घालमेल का आरोप लगा दिया और कहा कि अबू धाबी सरकार से वहां शूटिंग के लिए जो सब्सिडी मिली थी वह जफर ने अपने पास रख ली। फिर भगनानी नेटफिघ्लक्स पर 47 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचे। जवाब में नेटफिघ्लक्स ने कहा है कि पैसे तो हमारे वाशु भगवानी पर बकाया हैं। यह सब चल ही रहा था कि उनकी पिछली फिघ्ल्म शमिशन रानीगंज्य के निर्देशक टीनू देसाई ने भी बकाये की मांग उठा दी।

बताया जाता है कि निचले स्तर के कई लोगों के पैंसठ लाख रुपए जैसे–तैसे चुका दिए गए। मगर तभी पता लगा कि भगनानी परिवार ने पिछले दो साल से अपने कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया है। फिर खघ्बर आई कि वाशू भगनानी ने देनदारियां चुकाने के लिए अपना दफ्घ्तर बेच दिया है जिसे तोड़ कर अब वहां एक लग्जरी रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट बन रहा है। अपना दफ्घ्तर अब वे एक छोटे से फ्लैट में

ले गए हैं और अपने करीब दो–तिहाई कर्मचारियों की उन्होंने छंटनी कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि श्बड़े मियां छोटे मियां्य की रिलीज से पहले, बल्कि जनवरी से ही, उन्होंने छंटनी शुरू कर दी थी। और छंटनी का क्या है, देश भर में कोई भी कंपनी जब चाहे छंटनियां करती रहती है। उसकी मर्जघ्।

वाशु भगनानी साहब ने अपनी पत्नी पूजा के नाम से 1986 में अपनी फिघ्ल्म प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी पूजा एंटरटेनमेंट बनाई थी। शुरू में इसने केवल डिस्ट्रीब्यूशन का काम किया और नौ साल बाद अपनी पहली फिघ्ल्म श्कुली नंबर वन्य बनाई जिसमें गोविंदा थे और डेविड धवन का निर्देशन था। यह फिघ्ल्म चल गई तो कई साल तक वाशु भगनानी नंबर वन के पीछे पड़े रहे। मतलब उन्होंने श्हीरो नंबर वन्य भी बनाई और श्बीवी नंबर वन्य भी। ये फिल्में भी हिट रहीं। अपने उन्हीं अच्छे दिनों में वाशु भगनानी ने अमिताभ बच्चन और गोविंदा को लेकर श्बड़े मियां छोटे मियां्य बनाई थी। उसका निर्देशन भी डेविड धवन ने किया। यह फिघ्ल्म 12 करोड़ में बनी थी जबकि इसने 36 करोड़ कमाए थे। इसे इस तरह समझिये कि फिघ्ल्म निर्माण के खर्च, स्टारों व निर्देशक इत्यादि की फीस की मौजूदा दरों के हिसाब से यह फिघ्ल्म आज लगभग 150 करोड़ में बनती और कम से कम 450 करोड़ कमाती।मगर फिर भगनानी साहब के अच्छे दिन लडखड़ाने लगे। उन्होंने श्शादी नंबर वन्य बना कर उन्हें संभालने की कोशिश की, पर बात ज्यादा बनी नहीं। फिर गोविंदा की तरह डेविड धवन का जमाना भी ढलने लगा। तभी वाशु भगनानी को अपने बेटे जैकी भगनानी को हीरो बनाने की सूझी। जैकी के लिए उन्होंने, एक के बाद एक, दस फिघ्ल्में बनाईं जो सब की सब फ्घ्लॉप रहीं और जिन्हें शायद जैकी भी याद रखना पसंद नहीं करेंगे। पूजा एंटरटेनमेंट ने अब तक जिन छत्तीस फिघ्ल्मों का निर्माण किया है उनमें से करीब दो–तिहाई को बॉक्स ऑफिघ्स पर अपनी लागत निकालने में भी दिक्कत आई। पिछले दस सालों में इस प्रोडक्शन हाउस ने एक दर्जन से ऊपर फिघ्ल्में बनाई हैं जिनमें से श्सरबजीत्य को छोड़ लगभग सभी फ्घ्लॉप रही हैं। इनमें श्बेलबॉटम्य भी थी जो 150 करोड़ में बनी थी और केवल 50 करोड़ निकाल सकी। और इन्हीं में श्मिशन रानीगंज्य भी थी जो 55 करोड़ में बनी और इतने पैसे भी वापस नहीं ला पाई।कहा जा रहा है कि भगनानी परिवार की मुश्किलें चार साल पहले ही शुरू हो गई थीं। उन्हीं मुश्किलों के बीच उन्होंने श्गणपत्य बनाई जिसका बजट 200 करोड़ था और बॉक्स ऑफिघ्स पर जिसे 15 करोड़ भी नहीं मिले। और फिर वे अपनी पुरानी हिट फिल्म श्बड़े मियां छोटे मियां्य के शीर्षक को दोहराते हुए एक्शन भरी साइंस फिक्शन लाए जिसकी नाकामी ने उनका पूरा फिघ्ल्मी तामझाम ही उलट–पुलट कर दिया है।

करीब छह महीने पहले पूजा एंटरटेनमेंट ने शाहिद कपूर को लेकर श्अश्वत्थामा्य बनाने की घोषणा की थी। यह भी बड़े बजट का प्रोजेक्ट है, इसलिए और प्रोडक्शन हाउस के ताजा हालात के कारण कुछ लोग इसके पूरा होने को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। यह प्रोडक्शन हाउस जगन शक्ति के निर्देशन में टाइगर श्रॉफ को लेकर जो फिल्म बनाने जा रहा था उसे तो खैर बंद ही कर दिया गया है।किसी स्टार की कई फिघ्ल्में पिट जाएं, उसके बावजूद कोई एक फिघ्ल्म हिट होकर उसका करियर और मार्केट बचा लेती है। मगर स्टार और प्रोडक्शन हाउस के करियर में अंतर होता है। अभिनेता अक्षय कुमार अपनी कई फिघ्ल्में पिटने के बाद भी कहते हैं कि श्हर नाकामी आपको कामयाबी की अहमियत बताती है और आपमें कामयाब होने की भूख बढ़ाती है।श मगर जिस प्रोडक्शन हाउस की लगातार दस फिघ्ल्में अपना पैसा वापस नहीं निकाल सकी हों, और जो देनदारियों के पचड़ों में फंसा हो, वह ऐसा कैसे कहे? असल में भगनानी पिता–पुत्र की मौजूदा स्थिति के विश्लेषण के कई आयाम हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि–

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यापार को आगे बढ़ाने में जीवनसाथी की मदद मिलेगी। किसी नए प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए आज आप खुद को तैयार रखेंगे।

वृष राशि–

छात्रों के लिए आज का दिन करियर में नया बदलाव लायेगा। अगर आप किसी नये बिजनेस की शुरुआत कर रहे हैं, तो घर के बुजुर्गों की राय जरूर लें।

मिथुन राशि–

आज आपका दिन बेहतर रहने वाला है। किसी विशेष कार्य में दोस्तों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति होने के योग बन रहे हैं। स्टूडेंट्स को कोई नया प्रोजेक्ट मिलेगा।

कर्क राशि–

आज आपका दिन खास रहने वाला है। संतान आपकी बातों से प्रभावित होंगे। किसी उच्च अधिकारी से आपका पहचान होने के कारण सरकारी कार्यों में फायदा होगा।

सिंह राशि–

आज का दिन मिला–जुला रहने वाला है। आज आप किसी अनुभवी की राय लेकर कार्य करेंगे तो सफलता मिलेगी। इलेक्ट्रानिक कार्यों से जुड़े लोगों को आज अधिक धन लाभ होगा।

कन्या राशि–

आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। अगर आपका कार्य शिक्षण संस्थान से जुड़ा है, तो आज लाभ होगा। व्यावसायिक प्रगति के लिए दिन अनुकूल है। फोन पर आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से बात होगी, जिससे भविष्य में आपको फायदा जरूर होगा। जरूरतमंद की सहायता करें, समाज में मान सम्मान बढ़ेगा।

तुला राशि–

आज आपका दिन बेहतर रहेगा। किसी भी काम में जल्दबाजी करने की बजाय धैर्य से काम लेना चाहिए। किसी भी तरह की यात्रा करने से आज आपको बचना चाहिए, बहुत जरुरी हो तभी यात्रा पर जायें। आज ऑफिस के किसी काम में गलतियों को नजर अंदाज ना करे। मां दुर्गा को मिश्री का भोग लगाएं, घर में शांति का माहौल रहेगा।

वृश्चिक राशि

आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। कॉन्ट्रैक्ट का कार्य कर रहे लोगों को आज नया कॉन्ट्रैक्ट मिलेगा। ऑफिस के लोग आपके कार्यो की खूब तारीफ करेंगें।

धनु राशि–

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपकी बात किसी खास रिश्तेदार से होगी, उनके साथ कोई व्यापार शुरू करने की बात रखेंगे। आज अपने खर्चों को नियंत्रित करने के लिए नयी योजना बनायेंगे।

मकर राशि–

आज पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी। करियर को लेकर आज आप कुछ अच्छे फैसले लेंगे। आज आप अपने कार्यों को समय से पूरा करने में सफल होंगे। किसी प्रॉपर्टी में निवेश करने से पहले घर में विचार विमर्श जरूर करें।

कुंभ राशि–

आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज उच्च अधिकारियों से परिचय आपके काम आयेगा। करियर में तरक्की के योग बन रहे है। शाम को परिवार के साथ अच्छा समय बितायेंगें।

मीन राशि–

आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। कार्यक्षेत्र में नये विचारों पर अमल करने के लिए दिन अच्छा है। आज जिस कार्यो को करने की सोचेंगें, उसमें कामयाबी मिलेगी। घरेलू कार्यों को पूरा करने में परिवार वालों का सहयोग मिलेगा। आज आपको खुद को साबित करने के कई मौके मिलेंगे।

हरियाणा में भाजपा की जीत से ज्यादा कांग्रेस की हार और तीसरे–चौथे मोर्चे के जार–जार होने की छिड़ी हुई है चर्चा

हरियाणा में मिली अप्रत्याशित बीजेपी के लिए आने वाले चुनावों के लिहाज से भी एक शुभ संकेत जैसा ही है, जिसकी शुरुआत महाराष्ट्र व झारखंड के विधानसभा चुनाव से होगी। फिर दिल्ली भी इससे प्रभावित होगी, क्योंकि उसके चारों ओर कमल खिला हुआ है। हरियाणा की चुनावी परीक्षा में बीजेपी जहां 48 सीटें जीतकर पास हो गई, वहीं कांग्रेस को उम्मीदों से कम सीटें महज 37 मिलीं। वहीं, इंडियन नेशनल लोक दल को मात्र 2 सीटें मिलीं, जबकि 3 सीटें निर्दलीय प्रत्याशी जीत ले गए।सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सूबे में सत्ताधारी पार्टियों के बी टीम के रूप में काम कर रहीं आम आदमी पार्टी, जननायक जनता पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, आजाद समाज पार्टी आदि को बेहद खराब अंक मिले। हां, इन्होंने राज्य में कांग्रेस के बढ़ते ग्राफ को थामने में भाजपा की अंदरखाने से मदद की, ताकि भविष्य में कोई भी मजबूत विपक्षी दल उन्हें नजरअंदाज नहीं कर सके। इस अप्रत्याशित चुनाव परिणाम से जहां भाजपा की बांछें खिल गईं, वहीं कांग्रेस के सियासी हौसले लगातार तीसरी बार पस्त पड़ गए। इस बार तो वह जीती हुई बाजी हार गई। इससे यह साबित हो गया कि अब वह पूरी तरह से परजीवी पार्टी बन गई है। क्योंकि हरियाणा में भी अकेले थी तो हार गई। यही वजह है कि हरियाणा में भाजपा की जीत से ज्यादा कांग्रेस की हार और तीसरे–चौथे मोर्चे के जार–जार होने की चर्चा हर ओर छिड़ी हुई है। देखा जाए तो हरियाणा में कांग्रेस को शिकस्त देकर भाजपा ने एक

बार फिर से यह साबित कर दिया कि चुनावी रणनीति बनाने में उसके रणनीतिकारों की कोई तोड़ नहीं। हां, इतना जरूर है कि जब कभी भी और जहां कहीं भी वह हारती है तो अपनों की भीतरघात की वजह से और जहां कहीं भी ताल ठोंक कर जीतती है तो आरएसएस के वरदहस्त और अपने कार्यकर्ताओं के अतिउत्साह के चलते, जो हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के प्रति पूरी तरह से समर्पित रहते हैं। और अब जिस तरह से प्रधानमंत्री पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा करार दिया है, वह भी उसपर भारी पड़ने वाला है। जिस तरह से भारत के लोकतंत्र, अर्थतंत्र और सामाजिक तानेबाने को कमजोर करने की अंतर्राष्ट्रीय साजिशें हो रही हैं, उसके मुताल्लिक पीएम मोदी की बातों में दम है। निःसन्देह कांग्रेस उसी मुस्लिम लीग की ट्रू कॉपी बनती जा रही है, जिसके प्रतिरोध स्वरूप उसने राष्ट्र विभाजन तक को स्वीकार किया था।सच कहूं तो हरियाणा के मामले में चुनावी पंडित जिस तरह से गच्चा खा गए, उससे फिर यह बात स्पष्ट हो गई कि राजनीति में दो जोड़ दो बराबर चार समझने की भूल कभी नहीं करनी चाहिए और जो ऐसा करते हैं, सियासत के हाशिये पर चले जाते हैं हुड्डा–शैलजा सरीखे अन्य क्षेत्रीय नेताओं की तरह! जानकारों के मुताबिक, हरियाणा में हैट्रिक लगाते हुए भाजपा वहां तीसरी बार अपनी सरकार बनाएगी। आम चुनाव 2024 में कांग्रेस गठबंधन को मिली तात्कालिक अप्रत्याशित सफलता की बात यदि छोड़ भी दी जाए तो हाल के वर्षों में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उड़ीसा, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, असम, गुजरात आदि के बाद हरियाणा भी एक ऐसा राज्य बन चुका है, जहां पर बीजेपी ने अपने मजबूत चुनावी प्रबंधन से विरोधी पार्टियों के मंसूबे ध्वस्त कर दिए। वहीं, बिहार, पश्चिम बंगाल, जम्मूकश्मीर जैसे राज्यों में भी उसकी स्थिति सुधारी है।हरियाणा में जबरदस्त एंटी इनकंबेंसी के बावजूद बीजेपी का तीसरा बार जीतना बहुत मायने रखता है। क्योंकि उसकी जीत अब इस बात को स्पष्ट करती है कि एससी–ओबीसी मतदाताओं को खींचने में कामयाब रही। भले ही चुनाव नतीजों से पहले एग्जिट पोल में कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी की गई थी और यहां तक कहा गया था कि किसान, जवान और पहलवान बीजेपी से नाराज हैं। इसलिए उससे सत्ता छिन जाएगी, लेकिन मुख्यमंत्री सैनी के आत्मविश्वास के चलते जो असल नतीजे आए, उससे कहानी बिल्कुल पलट गई है। गीता की धरती पर सत्य की जीत हुई। कुरुक्षेत्र वाले भूभाग में कौरवों सरीखी कांग्रेस हार गई। बीजेपी ने गत लोकसभा चुनाव से सबक लेते हुए गैर जाट मतदाताओं को गोलबंद करने का काम किया और अपनी रणनीति में वह कामयाब हो गई। खासकर एससी और ओबीसी समुदाय से आने वाले मतदाताओं पर उसने फोकस किया और उनको अपनी तरफ खींचने में कामयाब रही। वहीं, चुनाव से ठीक पहले बीजेपी की सीएम बदलने वाली रणनीति भी गुजरात की तरह ही कामयाब रही। क्योंकि नायब सिंह सैनी, ओबीसी समुदाय से आते हैं, जिनको सीएम बनाने से ओबीसी मतदाताओं के बीच एक सकारात्मक संदेश गया। वहीं, ओबीसी रणनीतिकार दिलीप मंडल को मलाईदार पद देने के बाद उनके समर्थकों ने भी कमल खिलाने का काम किया। भले ही हरियाणा में जाट मतदाताओं का वोट बैंक बहुत बड़ा है जिनके समर्थन पर कांग्रेस काफी निर्भर रही है, लेकिन उनमें भी दरार डालने में भाजपा सफल रही। जाट मतदाता कितने शक्तिशाली हैं, इसका अंदाजा इस बात से मिलता है कि राज्य में जाट समुदाय से आने वाले मुख्यमंत्री लगभग 33 साल तक शासन कर चुके हैं। हालांकि, वर्ष 2014 में, जब बीजेपी सत्ता में आई तो कांग्रेस के भूपिंदर सिंह हुड्डा को जाना पड़ा, जो जाट समाज से ही आते हैं। क्योंकि बीजेपी ने तब मनोहर लाल खट्टर को सीएम बनाया जो एक पंजाबी खत्री समुदाय से सम्बन्धित हैं।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरूवार 10 अक्टूबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

इमरान खान की पार्टी के विरोध प्रदर्शन से 24 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ रिपोर्ट

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में सप्ताहांत में किए गए विरोध प्रदर्शनों के चलते 24 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। रिपोर्ट को इस्लामाबाद के महानिरीक्षक कार्यालय ने सप्ताहांत में खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों और कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद इस्लामाबाद के मुख्य आयुक्त को सौंपा था। इस्लामाबाद । जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में सप्ताहांत में किए गए विरोध प्रदर्शनों के चलते 24 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। मीडिया में बुधवार को आई एक खबर में यह जानकारी दी गयी। इस क्षति के आकलन का उल्लेख एक रिपोर्ट में किया गया है, जिसे इस्लामाबाद के महानिरीक्षक कार्यालय ने सप्ताहांत में खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों और कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद इस्लामाबाद के मुख्य आयुक्त को सौंपा था। खान एक वर्ष से अधिक समय से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। सरकार द्वारा संवैधानिक संशोधन पेश किए जाने के बाद खान ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता की मांग को लेकर विरोध रैली का आह्वान किया। उनकी पार्टी ने डी–चौक को प्रदर्शन स्थल के रूप में चुना। डी–चौक वही स्थान है जहां खान और उनकी पार्टी के समर्थकों ने 2014 में संघीय राजधानी में 126 दिनों तक धरना प्रदर्शन किया था। पार्टी खान की रिहाई की भी मांग कर रही है। शीर्ष पुलिस अधिकारी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए जियो न्यूज ने कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान 14 करोड़ रुपये की कीमत के 441 सेफ सिटी कैमरों को नुकसान पहुंचाया गया। इसके अलावा 10 पुलिस वाहन, 31 मोटरसाइकिल और 51 गैस मास्क भी क्षतिग्रस्त हुए। जियो न्यूज ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने तीन निजी वाहनों और एक क्रेन को भी नुकसान पहुंचाया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि एक पुलिसकर्मी की मौत हो गयी और 31 अन्य घायल हो गए। इसमें वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब के मंगलवार को टेलीविजन पर दिए गए भाषण के हवाले से कहा गया है कि उनके मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार शाखा ने आर्थिक गतिविधियों के रुकने से विरोध प्रदर्शन के कारण 190 अरब रुपये के भारी आर्थिक नुकसान का आकलन किया है। पाकिस्तान द्वारा अगले सप्ताह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक की मेजबानी की तैयारी के बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को कहा कि खान की पार्टी को 2014 जैसा धरना दोहराने की इजाजत नहीं दी जाएगी, जिसके कारण चीनी राष्ट्रपति की यात्रा रद्द करनी पड़ी थी। पीटीआई के विरोध प्रदर्शन के कारण रावलपिंडी और इस्लामाबाद में शुक्रवार से लेकर कम से कम रविवार तक

जनजीवन प्रभावित रहा, क्योंकि प्रदर्शनकारियों को प्रवेश करने से रोकने के लिए दोनों शहरों को कंटेनरों से सील कर दिया गया था। इंटरनेट पर भी व्यापक प्रतिबंध लगा दिया गया है। शनिवार से लाहौर में भी ऐसी ही स्थिति बनी हुई है।

गाजा के उत्तरी हिस्से में इजराइल का हमला, बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए, अस्पतालों पर खतरा

फलस्तीनी अधिकारियों और नागरिकों ने कहा कि उत्तरी गाजा में बड़े पैमाने पर इजराइल के हमलों में दर्जनों लोग मारे गए और घायल हुए हैं, तथा हमास के साथ युद्ध के एक वर्ष बाद तीन अस्पतालों के बंद होने का खतरा है। जबालिया में भीषण लड़ाई चल रही है, जहां इजराइली सेना ने युद्ध के दौरान कई बड़े अभियान चलाए। दीर अल–बला । फलस्तीनी अधिकारियों और नागरिकों ने कहा कि उत्तरी गाजा में बड़े पैमाने पर इजराइल के हमलों में दर्जनों लोग मारे गए और घायल हुए हैं, तथा हमास के साथ युद्ध के एक वर्ष बाद तीन अस्पतालों के बंद होने का खतरा है। जबालिया में भीषण लड़ाई चल रही है, जहां इजराइली सेना ने युद्ध के दौरान कई बड़े अभियान चलाए और जब चरमपंथी एकजुट होने लगे तो सेना वापस आ गई। गाजा शहर सहित पूरे उत्तरी क्षेत्र में भारी तबाही हुई है और पिछले साल के अंत से इजराइली सेना द्वारा इसे काफी हद तक अलग–थलग करके रखा गया है। गाजा में विनाश और मौत के चक्र की शुरुआत पिछले साल सात अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल पर हमास के हमले के साथ हुई। इजराइल अब लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ एक सप्ताह पुराने जमीनी हमले का विस्तार कर रहा है और ईरान पर एक बड़ा जवाबी हमला करने पर विचार कर रहा है। साल 1948 में इजराइल के निर्माण के समय से चले आ रहे शरणार्थी शिविर जबालिया के निवासियों का कहना है कि भारी हवाई हमलों और इलाका छोड़ने की चेतावनियों के कारण सैकड़ों लोग अपने घर छोड़ चुके हैं। लोगों के शवों को अल–अहली अस्पताल में लाया जा रहा है। अस्पताल के अनुसार, बुधवार सुबह हवाई हमले में दो महिलाओं और दो बच्चों सहित कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। दीर अल–बला के अल–अक्सा शहीदी अस्पताल के अनुसार मध्य गाजा में हमलों में नौ अन्य लोग मारे गए जिनमें तीन बच्चे शामिल हैं। एसोसिएटिड प्रेस के एक संवाददाता ने शवों की गिनती की। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से फलस्तीनियों की मौत का आंकड़ा 42,000 को पार कर गया है और 97,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार अस्पतालों पर भी खतरा है। गाजा शहर में अल–अहली अस्पताल के निदेशक फदेल नईम ने कहा कि इस महीने की शुरूआत में इजराइल द्वारा हवाई और जमीनी अभियान शुरू किए जाने के बाद से, फलस्तीनी क्षेत्र के उत्तरी हिस्से से बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने और घायल होने की सूचना मिली है।

ताइवान ने उपग्रह प्रक्षेपण से पहले चीन से संयम बरतने का आग्रह किया

चीन द्वारा बृहस्पतिवार को एक उपग्रह प्रक्षेपण की तैयारी के बीच ताइवान ने चीन से आने वाले दिनों में सैन्य अभ्यास में संयम बरतने का आग्रह किया है। उपग्रह प्रक्षेपण यान के ताइवान के निकट वायुक्षेत्र से होकर गुजरने की उम्मीद है। बृहस्पतिवार को ही ताइवान अपना 'राष्ट्रीय दिवस' मनाएगा। ताइपे । चीन द्वारा बृहस्पतिवार को एक उपग्रह प्रक्षेपण की तैयारी के बीच ताइवान ने चीन से आने वाले दिनों में सैन्य अभ्यास में संयम बरतने का आग्रह किया है। उपग्रह प्रक्षेपण यान के ताइवान के निकट वायुक्षेत्र से होकर गुजरने की उम्मीद है। राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि चीन बृहस्पतिवार को अपने शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से एक उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएलवी) का प्रक्षेपण करेगा। बृहस्पतिवार को ही ताइवान अपना 'राष्ट्रीय दिवस' मनाएगा। एमएनडी के अनुसार, एसएलवी ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) से गुजरते हुए पश्चिमी प्रशांत की ओर बढ़ेगा। एडीआईजेड एक स्व–घोषित क्षेत्र है जिसमें कोई देश विदेशी विमानों की पहचान करने, उनका पता लगाने और उन पर नियंत्रण करने का अधिकार रखता है, लेकिन यह अंतरराष्ट्रीय कानून द्वारा परिभाषित उसके क्षेत्रीय वायुक्षेत्र का हिस्सा नहीं है। मंगलवार को संसदीय सुनवाई के दौरान, प्रधानमंत्री चो जुंग–ताई से विपक्षी कुओमिन्तांग (केएमटी) सांसद येह युआन–चीह ने पूछा कि क्या निर्धारित उपग्रह प्रक्षेपण कथित 'संयुक्त स्वोर्ड 2024 बी' सैन्य अभ्यास का हिस्सा हो सकता है। मीडिया की खबरों में कहा गया कि ताइवान के राष्ट्रीय दिवस के बाद चीन ताइवान के निकट सैन्य अभ्यास शुरू कर सकता है। जवाब में चो ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि चीन अपने अधिकार क्षेत्र में सैन्य अभ्यास करेगा, संयम बरतेगा और "क्षेत्रीय सुरक्षा और हिंद–प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा को बाधित करने वाली" कार्रवाइयों से बचेगा। चो ने कहा, "ताइवान तैयार रहेगा।" उन्होंने कहा कि वह सेना से प्रक्षेपण के बारे में जानकारी

एकत्र करने और प्रक्रिया की निगरानी करने को कहेंगे, ताकि इससे जनता के लिए कोई खतरा पैदा न हो। उन्होंने यह भी वचन दिया कि राष्ट्रीय दिवस से पहले देश अपनी सुरक्षा को मजबूत करेगा और लोग राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में निश्चिंत रह सकते हैं।

ईरान पर हमले का डर, इजरायल संग भयंकर युद्ध की आशंकाओं के बीच कहां पहुंची भारत की नौसेना

ईरान को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। यानी इजरायल की तरफ से ईरान को जवाब दिया जाएगा। इजरायल के हमले के बाद कैसी स्थिति परिस्थिति होगी ये कोई नहीं जानता। यही वजह है कि सारे देश अपनी अलग अलग तरह की तैयारियां कर रहे हैं। हालांकि इस तरह की तैयारी को लेकर कोई तरह का बयान सामने नहीं आया है। 1 अक्टूबर की रात ईरान ने इजरायल पर मिसाइल हमला किया था। इजरायल के आसमान में गूंजने वाले मिसाइलों के शोर ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया। ईरान ने इस हमले को अपना पहला बदला बताया। इस हमले के बाद पूरे मीडिल ईस्ट में तनाव चरम पर है। कहा जा रहा है कि यहां के हालात कभी भी बिगड़ सकते हैं। ऐसे में कई देश कई तरह की तैयारियां कर रहे हैं। एक तस्वीर सामने आई है जिसे भारत की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। एक तरफ भारत के कुछ शिप ईरान पहुंचे हुए हैं। वहीं दूसरी तरफ भारत के कुछ शिप ओमान में भी हैं। यानी की मीडिल ईस्ट में भारत इस वक्त काफी एक्टिव है। खासकर भारत की नौसेना औक कोस्ट गार्ड और इसकी बड़ी वजह भी है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान ने ये मिसाइल दागकर बहुत बड़ी गलती की है। ईरान को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। यानी इजरायल की तरफ से ईरान को जवाब दिया जाएगा। इजरायल के हमले के बाद कैसी स्थिति परिस्थिति होगी ये कोई नहीं जानता। यही वजह है कि सारे देश अपनी अलग अलग तरह की तैयारियां कर रहे हैं। हालांकि इस तरह की तैयारी को लेकर कोई तरह का बयान सामने नहीं आया है। लेकिन जानकारी के मुताबिक भारतीय नेवल शिप और इंडियन कोस्ट गार्ड शिप वीरा पहले ट्रेनिंग स्काड्रन के लिए भारतीय नेवी की तरफ से लॉन्ग रेंज ट्रेनिंग डिप्लॉयमेंट के लिए मस्कट ओमान पहुंचे। यहां उनका स्वागत किया गया और एक तरह से ये दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों को सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सशक्तता के साथ दर्शाता है। मैरिटाइम डेमोन में ओमान के साथ भारत के मजबूत रिश्तों में भी ये अहम किरदार निभाएगा। भारतीय नौसेना बंदरगाह पर बातचीत, संयुक्त अभ्यास और प्रशिक्षण आदान–प्रदान सहित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से ओमान की रॉयल नेवी के साथ जुड़ेगी। इन संलग्नताओं का उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच अंतरसंचालनीयता में सुधार करना और साझा समुद्री चुनौतियों से निपटने में अधिक सहयोग को बढ़ावा देना है। कर्मचारियों के बीच व्यावसायिक बातचीत और मैत्रीपूर्ण खेल आयोजन आदान–प्रदान को और समृद्ध करते हैं, जिससे सौहार्द की भावना पैदा करने में मदद मिलती है। यह तैनाती पिछले एक दशक में फर्स्ट ट्रेनिंग स्क्वाड्रन की ओमान की तीसरी यात्रा है, जो दोनों देशों के बीच नौसैनिक सहयोग के सुसंगत पैटर्न को प्रदर्शित करती है। इस तरह की संलग्नताएं परिचालन तालमेल को बढ़ाने और भविष्य की समुद्री चुनौतियों के लिए तैयारी सुनिश्चित करने में सहायक बन गई हैं।

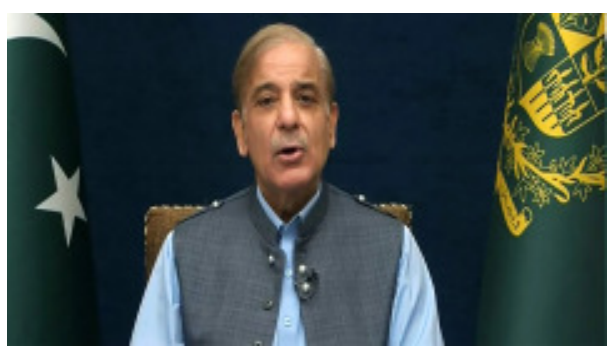

पाकिस्तान के पास अपना खर्चा चलाने के लिए पैसे नहीं हैं, मगर वह चीनियों की सुरक्षा पर अरबों रुपए कैसे खर्च कर रहा है ?

ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से सटा बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसक विद्रोह का गढ़ रहा है। बलूच विद्रोही समूहों ने पहले भी चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजनाओं को निशाना बनाकर कई हमले किए हैं। ने चीन के हितों की खातिर सशस्त्र बलों के लिए 45 अरब रुपये के बजट को मंजूरी दी है। यहां सवाल उठता है कि जिस देश के पास सामान्य खर्च चलाने के लिए पैसा नहीं है वह दूसरे की सुरक्षा पर इतना खर्च क्यों और कैसे कर रहा है? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि चीन ने पाकिस्तान में बड़ा निवेश तो कर ही रखा है साथ ही इस समय वह इस्लामाबाद का सबसे बड़ा आर्थिक मददगार भी है लेकिन जिस तरह चीनी कर्मियों पर हमले बढ़ रहे हैं उसके चलते चीनी नेतृत्व की चिंता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों पाकिस्तान के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सैन्य और आईएसआई का नेतृत्व चीन का दौरा कर चुके हैं जहां उन्हें फटकार लगायी गयी और साफ कह दिया गया कि यदि आप चीनियों को सुरक्षा नहीं दे सकते तो हम अपनी सेना वहां भेज कर उनको सुरक्षा प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जानता है कि यदि चीनी सेना देश में आई तो उसका जनता विरोध करेगी इसलिए चीनी नेतृत्व को खुश करने के लिए भारी भरकम राशि चीनियों को सुरक्षा देने के लिए रखी गयी है। ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि पाकिस्तानी नेतृत्व ने यह कदम तब उठाया जब इसी सप्ताह पाकिस्तान के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे के पास चीनी श्रमिकों के काफिले को निशाना बनाकर किए गए बलूच विद्रोही समूह के आत्मघाती हमले में दो चीनी नागरिकों की मौत हो गई और 17 लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा कि यह हमला पाकिस्तान में चीनी श्रमिकों के खिलाफ हिंसा की श्रृंखला में नवीनतम घटना है। उन्होंने कहा कि यह हमला इस्लामाबाद में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से दो सप्ताह से भी कम समय पहले हुआ। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि यह विस्फोट एक आत्मघाती हमला था, जिसमें जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से निकल रहे चीनी इंजीनियरों और निवेशकों के काफिले को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि हमले में एक इलेक्ट्रिक पावर कंपनी के चीनी कर्मचारियों को ले जा रहे काफिले को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस हमले को जघन्य कृत्य बताया और चीनी लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा है कि आतंकवाद का यह निंदनीय कृत्य न केवल पाकिस्तान पर बल्कि पाकिस्तान और चीन के बीच स्थायी मित्रता पर भी हमला है। उन्होंने कहा कि विदेश कार्यालय ने कहा है कि पाकिस्तान और चीन घनिष्ठ साझेदार और भाइचारे का रिश्ता है, जो आपसी सम्मान और साझा नियति के बंधन से एकजुट हैं। उन्होंने कहा कि बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान चीनी नागरिकों, परियोजनाओं और पाकिस्तान में संस्थानों की सुरक्षा और संरक्षा के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, और आतंकवादी ताकतों को हराने के लिए अपने चीनी भाइयों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा। ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से सटा बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसक विद्रोह का गढ़ रहा है। बलूच विद्रोही समूहों ने पहले भी चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजनाओं को निशाना बनाकर कई हमले किए हैं। उन्होंने कहा कि बीएलए चीन और पाकिस्तान पर संसाधन संपन्न प्रांत का शोषण करने का आरोप लगाता है। यह समूह लंबे समय से अलग मातृभूमि की मांग कर रहा है। पिछले दो सालों में इस समूह ने कराची में विदेशी नागरिकों को निशाना बनाकर इसी तरह के कई आत्मघाती बम हमले किए हैं। उन्होंने कहा कि इस साल मार्च में बीएलए ने चीन द्वारा संचालित ग्वादर बंदरगाह के पास एक पाकिस्तानी नौसैनिक हवाई अड्डे पर हमले की जिम्मेदारी ली थी। अप्रैल 2022 में, कराची विश्वविद्यालय के कन्फ्यूशियस संस्थान के पास इस समूह के एक आत्मघाती हमले में तीन चीनी प्रशिक्षक और एक पाकिस्तानी ड्राइवर की मौत हो गई। नवंबर 2018 में, कराची में चीनी वाणिज्य दूतावास पर हुए हमले में बंदूकधारियों ने कम से कम चार लोगों की हत्या कर दी थी।

रूस नहीं भूल पाएगा भारत का ये अहसान, अमेरिका–यूक्रेन जानकर हो जाएंगे परेशान

भारत ने पिछले कुछ सालों में ड्रोन तकनीक में शानदार तरक्की की है। अब उसकी तकनीक रूस के युद्ध अभियानों में निर्णायक साबित हो रही है। भारत और रूस का रिश्ता केवल व्यापार और राजनीति तक सीमित नहीं है। ये रक्षा और तकनीकी सहयोग की लंबी फेहरिस्त का हिस्सा है। अंग्रेजी की एक कहावत है ष। तमंस तिपमदक पे वदम ूीव ूसो पद ूीमद जीम तमेज वि जीम ूवतसक ूसो वनजष यानी जब सारी दुनिया साथ छोड़ देती है तब एक सच्चा दोस्त आपका साथ देता है। भारत और रूस की वर्षों पुरानी दोस्ती पर ये बात बिल्कुल खरी उतरती है। भारत और रूस के रिश्ते बेहद मजबूत रहे हैं। रक्षा और तकनीकी सहयोग की बात हो या कूटनीतिक समर्थन की दोनों देश एक दूसरे के रणनीतिक साझेदार रहे हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि भारत की तकनीक रूस को यूक्रेन युद्ध में मदद कर रही है। खासकर छोटे सुसाइड ड्रोन और अन्य तकनीकी संसाधनों में ये उपयोगी साबित हो रही है। दरअसल, भारत ने पिछले कुछ सालों में ड्रोन तकनीक में शानदार तरक्की की है। अब उसकी तकनीक रूस के युद्ध अभियानों में निर्णायक साबित हो रही है। भारत और रूस का रिश्ता केवल व्यापार और राजनीति तक सीमित नहीं है। ये रक्षा और तकनीकी सहयोग की लंबी फेहरिस्त का हिस्सा है। भारत की आजादी के बाद से ही रूस भारत का एक भरोसेमंद सहयोगी रहा है। रक्षा क्षेत्र में रूस भारत को टैंक से लेकर युद्धक विमानों तक जैसे कई बड़े हथियार से लैस कर चुका है। भारत के 80 प्रतिशत से ज्यादा सैन्य उपकरण रूस से ही खरीदे जाते हैं। अमेरिकी इंस्टीट्यू ऑफ पीस के विशेषज्ञ की माने दोनों देशों के बीच हथियारों का ये 1960 के दशक का रिश्ता है। भारत के कुल हथियारों के जखीरे में 85 फीसदी रूसी मूल के हैं। रूस ने भारत को फाइटर जेट, परमाणु सबमरीन, क्रूज मिसाइल, युद्धक टैंक, क्लानिश्नकोव राइफल समेत कई घातक और अत्याधुनिक हथियार दिए हैं। भारत ने 45.4 लाख करोड़ रुपये का कच्चा तेल खरीदा। वहीं करीब 3.3 लाख करोड़ का भारत ने निर्यात किया। इस तरह से व्यापार घाटा रूस संग रिश्तों में बड़ा मुद्दा बन चुका है। इस रिश्ते में भारत अपनी तकनीकी क्षमताओं को भी रूस के साथ साझा कर रहा है। जो दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और मजबूत बना रहे। भारत पिछले चार सालों में ड्रोन तकनीक में जबरदस्त तरक्की कर चुका है। जहां पहले भारत में एक भी प्राइवेट ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग कंपनी नहीं थी। वहीं अब 200 से ज्यादा कंपनियां इस क्षेत्र में काम कर रही है। जेन टेक्नलॉजी, पारस डिफेंस और एयरोस्मिथ ड्रोन निर्माण और उससे जुड़े तकनीकी संसाधनों में महारथ हासिल कर रही है। इसका सीधा असर ये रहा कि भारत आज ड्रोन निर्माण में वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा है। यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस ने पाया कि छोटे सुसाइड ड्रोन जैसे हथियार युद्ध में बेहद प्रभावी साबित हो सकते हैं। यूक्रेन ने पोलैंड और अन्य देशों के सुसाइड ड्रोन का इस्तेमाल कर रूस को बड़ा नुकसान पहुंचाया। लेकिन रूस के पास इन छोटे ड्रोन के लिए उतनी सक्षम तकनीक नहीं थी। यही वक्त था जब भारत की तकनीक ने रूस का साथ दिया। भारत ने रूस को ऑप्टिकल सर्विलांस और टारगेटिंग सिस्टम जैसी तकनीक प्रदान की जिससे रूस के ड्रोन अब पहले से कहीं ज्यादा घातक हो गए। भारत और रूस के बीच टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का ये समझौता इस बात को दिखाता है कि दोनों देशों के बीच तकीनीक साझेदारी कितनी गहरी हो चुकी है।

कश्मीर के रिजल्ट पर पाकिस्तान मना रहा था खुशियां, इजरायल ऐसे टूट पड़ा, भारत भी हो जाएगा हैरान

एक पाकिस्तान न्यूज चौनल ने लिखा है कि पीएम मोदी कश्मीर में हार गए हैं। पाकिस्तान के हर अखबरा ने नेशनल कॉघ्न्फ्रेंस की जीत के बारे में बड़े बड़े हेडलाइन लिए हैं। कई यूट्यूबर्स बोल रहे हैं कि मोदी ने कश्मीर के लिए बहुत कुछ किया लेकिन कश्मीर की जनता ने उन्हें वोट नहीं दिया।जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनावों के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 90 में से 42 सीटों पर जीत हासिल की है। वहीं बीजेपी को को जम्मू कश्मीर में 29 सीटें मिली हैं। यहां दिलचस्प बात ये है कि मोदी सरकार ने कश्मीर में जबरदस्त विकास किया। लेकिन पीएम मोदी को कश्मीर से एक भी सीट नहीं मिली। बीजेपी को 29 की 29 सीटें जम्मू से मिली है। लेकिन गौर करने वाली बात ये है कि जम्मू का हिंदू वोट भी कई पार्टियों में बंट गया। मगर कश्मीर ने एकतरफा वोटिंग की है। ऐसे में कश्मीर में बीजेपी की हालत देख पाकिस्तान में जश्न मनाया जा रहा है। लेकिन एक इजरायली व्यक्ति ने पाकिस्तान के होश उड़ा दिए हैं।

अर्शदीप सिंह ने पहली बार टाप–10 में बनाई जगह, हार्दिक पांड्या को भी बड़ा फायदा

अर्शदीप सिंह लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में जगह बनाते हुए आठवें पायदान पर पहुंच गए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने पिछले रविवार को ग्वालियर में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 14 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे। भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में जगह बनाते हुए आठवें पायदान पर पहुंच गए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने पिछले रविवार को ग्वालियर में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 14 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे।वह 642 रेटिंग अंकों के साथ आठ पायदान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए। वह शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद सबसे छोटे प्रारूप में शीर्ष रैंकिंग वाले गेंदबाज बने हुए हैं जबकि वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दूसरे और अफगानिस्तान के राशिद खान तीसरे स्थान पर हैं।आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, ''ताजा रैंकिंग अपडेट में अर्शदीप को भी काफी फायदा हुआ है, बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने टी20 गेंदबाजों की अपडेट की गई सूची में आठ पायदान की छलांग लगाई है और बांग्लादेश के खिलाफ तीन विकेट लेने के बाद अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है।'' बांग्लादेश के खिलाफ 16 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 39 रन की पारी खेलने वाले हार्दिक पंड्या बल्लेबाजों की सूची में सात पायदान ऊपर चढ़कर 60वें स्थान पर पहुंच गए।इस शीर्ष भारतीय ऑलराउंडर ने 26 रन देकर एक विकेट भी चटकाया और ऑलराउंडरों की सूची में चार पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष पर हैं और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी दूसरे स्थान पर हैं। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बल्लेबाजों की सूची में एक पायदान नीचे पांचवें स्थान पर आ गए। उन्हें पाकिस्तान के बाबर आजम ने पीछे छोड़ दिया।जायसवाल बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। वाशिंगटन सुंदर ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है और वह टी20 गेंदबाजों की सूची में चार पायदान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

पिछले सत्र में विवादास्पद तरीके से हटने के बाद इशान किशन की झारखंड के कप्तान के तौर पर वापसी

ईशान किशन की झारखंड रणजी टीम में कप्तान के रूप में वापसी हुई जिन्हें पिछले सत्र में बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। ऋषभ पंत की सड़क दुर्घटना के बाद भारत की सफेद गेंद वाली टीम में नियमित रूप से शामिल हुए ईशान ने पिछले साल भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान ब्रेक लिया था।रांची । भारतीय बल्लेबाज ईशान किशन की झारखंड रणजी टीम में कप्तान के रूप में वापसी हुई जिन्हें पिछले सत्र में विवादास्पद तरीके से हटने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। दिसंबर 2022 में ऋषभ पंत की सड़क दुर्घटना के बाद भारत की सफेद गेंद वाली टीम में नियमित रूप से शामिल हुए ईशान ने पिछले साल भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान ब्रेक लिया था। ब्रेक के बाद उन्होंने बीसीसीआई के किसी भी आधिकारिक मैच में हिस्सा नहीं लिया जबकि बोर्ड ने खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट को प्राथमिकता देने पर जोर दिया था।इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने फरवरी में वापसी की और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले निजी तौर पर आयोजित डीवाई पाटिल टी20 कप में खेले। इससे फ्रेंचाइजी क्रिकेट और राज्य प्रतिबद्धताओं के बीच संतुलन को लेकर बहस शुरू हो गई। घरेलू क्रिकेट से इस दौरान उनकी अनुपस्थिति ने उन्हें बीसीसीआई के 2023–24 केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया। हालांकि ईशान ने घरेलू क्रिकेट में मजबूत प्रदर्शन से बीसीसीआई का ध्यान आकर्षित किया। पिछले महीने उन्होंने दलीप ट्रॉफी में भारत सी के लिए शतक जड़ा। फिर उन्होंने ईरानी कप में शेष भारत का भी प्रतिनिधित्व किया और एकमात्र पारी में 38 रन बनाए। अब झारखंड की 16 सदस्यीय टीम के कप्तान के रूप में वह युवा टीम का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। पिछले सत्र के कप्तान विराट सिंह उप कप्तान और कुमार कुशाग्र विकेटकीपर होंगे। झारखंड एलीट ग्रुप डी में गुवाहाटी में असम के खिलाफ अपना रणजी ट्रॉफी अभियान शुरू करेगा। पिछले सत्र में झारखंड ग्रुप ए में नीचे से तीसरे स्थान पर रहा था। उसने अपने सात मैचों में से दो जीते, दो हारे और तीन ड्रॉ किए। झारखंड की चयन समिति के अध्यक्ष सुब्रतो दास ने 'ईएसपीएनक्रिकइन्फो' से कहा, ''ईशान एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और उनके पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव है।

हमने युवा टीम चुनी है। सौरभ तिवारी, शाहबाज नदीम और वरुण आरोन सभी ने पिछले सत्र के बाद संन्यास ले लिया इसलिए हमें अपनी रणनीति पर फिर से विचार करना पड़ा।

तेज गेंदबाज मयंक यादव को टेस्ट में आजमाने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिये

मुंबई । पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह का मानना है कि मयंक यादव को टेस्ट क्रिकेट में लाने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए क्योंकि वह अपने करियर के शुरुआती दौर में है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी गति से प्रभावित करने वाले मयंक ने ग्वालियर में बांग्लादेश के खिलाफ शुरुआती टी20 में भारत के लिए शानदार पदार्पण किया। बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह का मानना है कि मयंक यादव को टेस्ट क्रिकेट में लाने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए क्योंकि वह अपने करियर के शुरुआती दौर में है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी गति से प्रभावित करने वाले मयंक ने ग्वालियर में बांग्लादेश के खिलाफ शुरुआती टी20 में भारत के लिए शानदार पदार्पण किया। मयंक ने अभी तक सिर्फ एक प्रथम श्रेणी मैच खेला है लेकिन उनकी विशेष प्रतिभा को देखते हुए उन्हें राष्ट्रीय टीम में शामिल कर लिया गया है। आरपी सिंह मयंक की गति और नियंत्रण से प्रभावित हैं लेकिन उन्हें लगता है कि ऐसे गेंदबाज के लिए ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला का हिस्सा बनना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए आकाश दीप को तेज गेंदबाजी आक्रमण में होना चाहिए। उनकी गेंदबाजी करने का तरीका बेहतर लगता है। मयंक यादव के पास गति है, जो तेज गेंदबाजी का एक पहलू है।'' उन्होंने जियो सिनेमा द्वारा आयोजित बातचीत में कहा, ''ऐसी कई विविधताएं और कौशल हैं जो धीरे–धीरे विकसित होते हैं। मयंक अपने करियर के शुरुआती चरण में है। टेस्ट मैच में बहुत ज्यादा कार्यभार होता है। आपके धैर्य और कौशल की परीक्षा होती है।'' इस पूर्व वामहस्त गेंदबाज ने कहा, '' मयंक ने अभी उतनी घरेलू क्रिकेट नहीं खेली है जितनी आकाश दीप या मोहम्मद शमी ने (भारतीय टीम में शामिल होने से पहले) खेली थी। मयंक को अभी भी उस स्तर में आना बाकी है। आकाश दीप एक बेहतर विकल्प हैं।'' भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में मयंक के कार्यभार को प्रबंधित करने को लेकर बात की थी। आरपी सिंह से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि कार्यभार प्रबंधन गेंदबाजी में नहीं, बल्कि जिम सत्र में होना चाहिये। उन्होंने कहा, ''लोग काम के बोझ के बारे में बहुत बात करते हैं कि उन्हें कम गेंदबाजी करनी चाहिए लेकिन मेरी राय है कि जिम (सत्र) कम होना चाहिए।'' उन्होंने मयंक को कहा, '' गति वास्तव में महत्वपूर्ण है लेकिन उसके कौशल में सुधार होते रहना चाहिए। उसे एनसीए और बीसीसीआई के अन्य कोचों की मदद से खुद को और बेहतर करना होगा।

झारखंड के स्क्वाड का ऐलान, ईशान किशन को मिली टीम की कमान

टीम इंडिया से बाहर चल रहे ईशान किशन को झारखंड टीम का कप्तान बनाया गया है। टीम गुवाहाटी में अपने पहले मुकाबले में असम से भिड़ेगी। किशन ने इस साल घरेलू क्रिकेट में झारखंड के लिए बुची बाबू ट्रॉफी, इंडिया सी के लिए दलीप ट्रॉफी और ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया के लिए खेले हैं। आगामी रणजी ट्रॉफी 2024ध्25 के लिए झारखंड का स्क्वॉड का ऐलान हो गया है। जहां टीम इंडिया से बाहर चल रहे ईशान किशन को टीम का कप्तान बनाया गया है। टीम गुवाहाटी में अपने पहले मुकाबले में असम से भिड़ेगी। किशन ने इस साल घरेलू क्रिकेट में झारखंड के लिए बुची बाबू ट्रॉफी, इंडिया सी के लिए दलीप ट्रॉफी और ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया के लिए खेले हैं। फरवरी 2024 में घरेलू क्रिकेट को तरजीह न देने के कारण 26 वर्षीय खिलाड़ी को बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। उस समय बीसीसीआई सचिव जय शाह ने टॉप क्रिकेटरों को चेतावनी दी थी कि घरेलू क्रिकेट राष्ट्रीय टीम में चयन के लिए एक अहम मानदंड बना हुआ है और इसमें हिस्सा न लेने के गंभीर परिणाम होंगे। द इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार खिलाड़ी के करीबी लोगों का मानना है कि सचिव की चेतावनी इशान के लिए नहीं थी। उन्होंने कहा कि, इशान ने हमेशा रणजी ट्रॉफी को प्राथमिकता दी है। 2022–23 सीजन में वह लगातार भारतीय क्रिकेट टीम के साथ सफर कर रहे थे, लेकिन व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उन्होंने रणजी ट्रॉफी के कुछ मैच केले और केरल के खिलाफ शतक भी बनाया। जिससे उन्हें भारत की टेस्ट टीम में जगह बनाने में मदद मिली। ये सभी आरोप बकवास हैं।

जो रूट ने जड़ा 35वां टेस्ट शतक, गावस्कर–लारा समेत 4 खिलाड़ी को छोड़ा पीछे

इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट का बल्ला पाकिस्तान में भी खूब बोल रहा है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 35वां शतक जड़ा है और अब वह टेस्ट क्रिकेट में छटे सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इंटरनेशनल टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक के मामले में लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर और ब्रायन लारा समेत 4 खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच मुल्तान में पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस टेस्ट में खूब रन बन रहे हैं, जहां पाकिस्तान ने पहली पारी में 556 रन बनाए वहीं अब इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने रन बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इस बीच इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट का बल्ला पाकिस्तान में भी खूब बोल रहा है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 35वां शतक जड़ा है और अब वह टेस्ट क्रिकेट में छटे सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। जो रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ बुधवार को बेहतरीन पारी खेलकर इंटरनेशनल टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक के मामले में लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर और ब्रायन लारा समेत 4 खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है। पाकिस्तान के यूनुस खान और श्रीलंका के महेला जयवर्धने भी पीछे छूट गए। इन चारों खिलाड़ियों के 34–35 शतक हैं। जो रूट अब सबसे ज्यादा शथक के मामले में सचिन तेंदुलकर 51, जैक कैलिस 45, रिकी पोंटिंग 41, कुमार संगकारा 38 और राहुल द्रविड़ के 36 शतक से ही पीछे हैं। रूट ने 2024 में अब तक 5 शतक जड़े हैं। वह इस साल संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा तक लगाने वाले खिलाड़ी हैं।

फाइनल पाकिस्तान में नहीं दुबई में होगा! भारत के हिसाब से बदलेगा वेन्यू

चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन अगले साल फरवरी–मार्च में पाकिस्तान में होना है। भारतीय टीम के पाकिस्तान जाने को लेकर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पहले ही साफ–साफ इनकार कर दिया है और हाइब्रिड मॉडल के तहत टूर्नामेंट खेले जाने को लेकर मांग की है। आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन अगले साल फरवरी–मार्च में पाकिस्तान में होना है। भारतीय टीम के पाकिस्तान जाने को लेकर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पहले ही साफ–साफ इनकार कर दिया है और हाइब्रिड मॉडल के तहत टूर्नामेंट खेले जाने को लेकर मांग की है। वहीं इस बीच टेलीग्राफ यूके की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के चौंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान से बाहर कराए जा सकते हैं। अगर भारतीय टीम फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुई तो इसे भी बाहर ही कराया जाएगा। दरअसल, पाकिस्तान में अगले साल आयोजित होने वाली चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के पाकिस्तान जाने को लेकर चर्चा काफी तेजी से हो रही है। टेलीग्राफ यूके कि रिपोर्ट के मुताबिक, अगर भारत फाइनल में पहुंचता है तो चौंपियंस ट्रॉफी का फाइनल लाहौर से दुबई कराया जा सकता है। ऐसे में चौंपियंस ट्रॉफी के फाइनल से कुछ दिन पहले तक आयोजन वेन्यू को लेकर सस्पेंस बना रहेगा। भारत अपने मैच पाकिस्तान में नहीं खेलेगा क्योंकि कथित तौर पर पड़ोसी देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण बीसीसीआई टीम भेजने को तैयार नहीं है।

किस तरह के खाने से सबसे ज्यादा बढ़ता है मोटापा जरूर जान लें जवाब

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने मोटापा को एक महामारी की तरह घोषित किया है. यह कोई भी उम्र, जाति या लिंग नहीं देखती बल्कि यह किसी को भी हो सकती है. कोविड महामारी के बाद से इस गंभीर बीमारी ने बच्चों को काफी ज्यादा प्रभावित किया है. इसलिए इससे बच्चों और नौजवानों को बचकर रहने की ज्यादा जरूरत है. मोटापा के कारण इंसान की इम्युनिटी कमजोर होती है. साथ ही साथ ऑर्गन फेल होने की संभावना भी बढ़ जाती है. आज हम बात करेंगे किस तरह के खाने से मोटापा बढ़ता है.मोटापा किसे कहते हैंमोटापे को आमतौर पर शरीर में बहुत ज्यादा चर्बी होने के रूप में कहा जाता है. वयस्कों में मोटापे के लिए 30 या उससे ज्यादा का बीएमआई सामान्य मानक है. मोटापे से गंभीर चिकित्सा स्थितियों का जोखिम बढ़ जाता है. उपचार में आपके खाने–पीने की आदतों में बदलाव, शारीरिक गतिविधि और मानसिक स्वास्थ्य सहायता शामिल है. जिस खाने में कैलोरी ज्यादा होती है जैसे जंक फूड, जिसे फैट काफी ज्यादा होता है उसे खाने से मोटापा बढ़ता है.मोटापे का सबसे बड़ा कारणपैकेज्ड फूड्स का ज्यादा सेवन

बचपन में मोटापा होना कई तरह की बीमारियों का कारण बन सकता है. इसकी वजह से कम उम्र में ही डायबिटीज, हार्ट डिजीज और सांस की समस्या हो सकती है. हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, भारत के बच्चों का खानपान बिगड़ रहा है, वो बाहर का ज्यादातर खाना खाते हैं. पैकेज्ड फूड्स का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, जो उन्हें मोटा बना रही है. अध्ययनों से पता चला है कि भारत के बच्चों के लिए कई पैकेज्ड फूड्स में चीनी की मात्रा पश्चिमी देशों की तुलना में ज्यादा होती है, जो बच्चों में मोटापे का प्रमुख कारण बन रही है.जंक फूड्सठ आजकल बिजी लाइफस्टाइल की वजह से कई पैरेंट्स अपने बच्चों को जंक फूड्स और पैकेज्ड फूड खिला रहे हैं, जिसकी वजह से उन्हें संतुलित भोजन नहीं मिल पाता और पौष्टिकता की कमी से उनमें मोटापा बढ़ रहा है.

बच्चों में मोटापा बढने से क्या खतरा

कई बीमारियां हो सकती हैं

मेंटल हेल्थ प्रभावित हो सकता है

भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है

अतिरिक्त वजन बढ़ सकता है

मोटापे की वजह से उनका मजाक बनाया जा सकता है, जिससे डिप्रेशन और सेल्फ कॉन्फिडेंस गिरता है

प्रेग्नेंसी के इन शुरुआती महीनों में सबसे ज्यादा होता है खतरा, इन चीजों का रखना होता है खयाल

मां बनना जितना खूबसूरत एहसास होता है, उतना ही मुश्किलों भरा भी. प्रेगनेंसी का असर महिलाओं के शरीर पर पड़ता है. 9 महीनों तक मां कई तरह के शारीरिक और मानसिक समस्याओं को झेलती है. प्रेगनेंसी से शुरुआती महीने तो बेहद नाजुक होते हैं. प्रेगनेंट होने के बाद 3 महीने तक महिलाओं को एक्स्ट्रा केयर की जरूरत रहती है.

इस दौरान मिसकैरेज का रिस्क अधिक होता है. 80 प्रतिशत मिसकैरेज 0 से 13 हफ्ते में ही होते हैं. ऐसे में इन महीनों में लापरवाही से बचना चाहिए, कुछ चीजों से परहेज करना चाहिए और कुछ बातों का ख्याल रखना चाहिए.

प्रेगनेंसी के शुरुआती महीनों में 15 बातों का रखें ख्याल

1. प्रेगनेंसी के पहले तीन महीने बेहद खास और रिस्की होते हैं, इसलिए किसी से प्रेगनेंसी पर ज्यादा सलाह लेने की बजाय डॉक्टर पर ही भरोसा करें.

2. डॉक्टर घर के पास ही चुनें, ताकि समय पर मेडिकल सर्विस मिलती रहे. अगर गांव में रहती हैं तो आशा दीदी या प्राथमिक चिकित्सा केंद्र में जाकर नाम दर्ज कराएं और सलाह मानें.

3. डॉक्टर की सलाह से ही खानपान, नींद और एक्सरसाइज का रूटीन बनाएं. तीनों ही आपकी और बच्चे की सेहत के लिए जरूरी हैं.

4. डॉक्टर जांच के बाद फॉलिक एसिड और कैल्शियम जैसे सप्लीमेंट्स दे सकते हैं. उनका रेगुलर तौर पर सेवन करें. फॉलिक एसिड से न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट्स से बच्चे को बचाने में हेल्प मिलती है. आयरन और कैल्शियम मां और बच्चे के हीमोग्लोबीन के लेवल को सही रखकर, हड्डियों को मजबूत बनाता है. दवाईयां लेने में लापरवाही न करें.

5. उल्टी, जी घबराना, मॉर्निंग सिकनेस या कब् जैसी समस्याएं प्रेगनेंसी में नॉर्मल हो सकती हैं, लेकिन ज्यादा परेशानी होने पर तुरंत डॉक्टर से मिलें और उन्हीं के हिसाब से डाइट बनाएं.

6. पेट के निचले हिस्से में दर्द, स्पॉटिंग यानी हल्की ब्लीडिंग या खून दिखे या तेज कमर दर्द हो तो नजरअंदाज करने की बजाय डॉक्टर से जाकर मिलना चाहिए.

7. प्रेगनेंसी में कभी भी अपनी मर्जी से कोई दवा न खाएं. इससे बच्चे और मां दोनों को खतरा रहता है. हमेशा डॉक्टर से पूछकर ही दवाएं लें.

8. करवट के बल लेटने और सोने की ही आदत डालें.

9. ज्यादा कॉफी, मीठा या कोल्ड ड्रिंक्स न पिएं.

10. सिगरेट, शराब पीती हैं तो तुरंत छोड़ दें.

11. हल्का टहलने की आदत बनाएं. खासकर रात के खाने के बाद वॉक जरूर करें. योगा के कुछ आसान रेगुलर तौर पर करें.

12. पहले तीन महीने में ज्यादा काम या एक्जर्शन से बचें. ज्यादा सफर न करें और बीच–बीच में आराम करें.

13. स्ट्रेस, तनाव से खुद को बचाएं. इसका असर मां और बच्चे की सेहत पर पड़ सकता है. मेडिटेशन करें, गाने सुनें, कुछ क्रिएटिव चीजें करें.

14. जंक फूड खाने की बजाय गुड़पट्टी, बादाम, अखरोट, काजू, मखाने, या फायदे वाले लड्डू खाएं.

अदा शर्मा की रीता सान्याल का ट्रेलर जारी, 14 अक्टूबर से डिज्नी प्लस हाटस्टार पर होगी स्ट्रीम

पिछले काफी समय से अभिनेत्री अदा शर्मा अपनी आगामी वेब सीरीज रीता सान्याल को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं।इस सीरीज में अदा पहली बार वकील की भूमिका में नजर आने वाली हैं।अब निर्माताओं ने रीता सान्याल का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो सस्पेंस और एक्शन से भरपूर है।ट्रेलर में अदा अलग–अलग किरदार में नजर आ रही हैं। इसके अलावा वकील बन वह एक मौत की गुत्थी सुलझाती हुई दिखाई दीं। रीता सान्याल का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी हॉटस्टार पर होने वाला है। इस सीरीज को आप 14 अक्टूबर, 2024 से देख सकते हैं।डिज्नी हॉटस्टार ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर वेब सीरीज का ट्रेलर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, कानून की हर लड़ाई दिलचस्प होगी, क्योंकि अब मैदान में है रीता सान्याल।रीता सान्याल से अदा की झलक पहले ही सामने

आ चुकी है, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। अदा ने कहा, मैं हमेशा से रीता सान्याल जैसा किरदार निभाना चाहती थी। मैं भाग्यशाली रही हूं कि मुझे टाइपकास्ट नहीं किया गया और मुझे कुछ सराहनीय, कुछ डरावने, कुछ प्यारे किरदार निभाने को मिले। लेकिन जिस पल मैंने रीता सान्याल की स्क्रिप्ट पढ़ी, मुझे लगा कि यह शो मेरे लिए ही है। अदा ने बताया, यह सीरीज एक लड़की के सामने आने वाली चुनौतियों का सार प्रस्तुत करती है जो एक वकील और जासूस के रूप में बड़ा नाम बनाने की कोशिश कर रही है। जो चीज इसे पहले देखी गई चीजों से अलग बनाती है, वह यह है कि रीता सान्याल कॉमिक बुक पढने जैसा है।

यह मजेदार और रोमांचकारी है। इस सीरीज में राहुल देव, अंकुर राठी और माणिक पपनेजा जैसे स्टार कलाकार भी शामिल होंगे।

प्रभास के प्रशंसकों के लिए खुशखबरी, संदीप वांगा रेड्डी की फिल्म स्पिरिट पर नया अपडेट

पैन इंडिया स्टार प्रभास की हर एक फिल्म का उनके प्रशंसक बेसब्री से इंतजार करते हैं। प्रशंसक प्रभास की हर एक फिल्म को लेकर जानकारी प्राप्त करते रहते हैं। कल्कि 2898 एडी की आपार सफलता के बाद प्रभास की आगामी फिल्म स्पिरिट को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। इस जानकारी से प्रभास के प्रशंसक बेहद खुश होने वाले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म स्पिरिट में प्रभास डबल रोल में नजर आएंगे। प्रभास एक पुलिस अधिकारी के रूप में दिखेंगे, जबकि दूसरी भूमिका में वे मुख्य विलेन का किरदार निभाएंगे। यानी की प्रभास एक ही फिल्म में हीरो और खलनायक का रोल निभाते नजर आएंगे। प्रभास को डबल रोल में देखना उनके प्रशंसकों के लिए काफी रोमांचक और अनोखा अनुभव रहेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निगेटिव रोल में प्रभास की एंट्री फिल्म के इंटरवल के बाद होगी, जो कि फिल्म में एक महत्वपूर्ण मोड़ की शुरुआत को संकेत देगी।

एनिमल फिल्म से प्रसिद्धी हासिल कर चुके निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा को उनके बेहतरीन निर्देशन के लिए जाना जाता है। वहीं, प्रभास को निगेटिव अवतार में देखना निश्चित रूप से दर्शकों के लिए एक नया अनुभव होगा। प्रभास और संदीप के प्रोजेक्ट स्पिरिट को लेकर यही अनुमान लगाया जा सकता है कि यह एक यादगार फिल्म होगी। हालांकि, प्रभास के डबल रोल को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन इस जानकारी ने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर और अधिक जिज्ञासा पैदा कर दी है। प्रभास का दोहरी भूमिका में आना दर्शकों की उम्मीदों को और भी बढ़ाता है।

शो के लाडले विवियन डीसेना की लगने वाली है वाट!! एक्टर की एक्स वाइफ

विवादास्पद टीवी रियलिटी शो के गलियारों में जल्द ही एक नया ड्रामा शुरू हो सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वाहबिज दोराबजी और करम राजपाल इस हफ्ते वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर शामिल होने वाले हैं। बिग बॉस 18 की धमाकेदार शुरुआत हो चुकी है और शो के कंटेस्टेंट धीरे–धीरे अपनी गति पकड़ रहे हैं। कंटेस्टेंट एक–दूसरे को जानने लगे हैं और उनमें से कुछ के बीच बहस और असहमति भी देखने को मिल रही है। शो के पहले दो एपिसोड को उनके प्रशंसकों से खूब प्यार मिल रहा है। ऐसा लग रहा है कि बिग बॉस द्वारा खुद लाडला घोषित किए गए विवियन डीसेना को बड़ा झटका लगने वाला है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक विवियन की पूर्व पत्नी वाहबिज शो में एंट्री करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पोर्टल को एक सूत्र ने बताया कि वाहबिज और अभिनेता करम राजपाल इसी हफ्ते शो में एंट्री कर सकते हैं। हालांकि अभी तक इस एंट्री की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। विवादास्पद टीवी रियलिटी शो के गलियारों में जल्द ही एक नया ड्रामा शुरू हो सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वाहबिज दोराबजी और करम राजपाल इस हफ्ते वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर शामिल होने वाले हैं। एक सूत्र ने ईटाइम्स को बताया, ष्उनकी (वाहबिज दोराबजी और करम राजपाल) एंट्री जल्द ही होने वाली है, दर्शक उन्हें इसी हफ्ते घर में देखने की उम्मीद कर सकते हैं।

फवाद खान और वाणी कपूर की फिल्म की शीर्षक से उठा पर्दा, लंदन में शूटिंग शुरू

पाकिस्तानी स्टार फवाद खान और भारतीय अभिनेत्री वाणी कपूर फिलहाल लंदन में अपनी अपकमिंग रोमांटिक कॉमेडी फिल्म अबीर गुलाल की शूटिंग कर रहे हैं।फिल्म की शूटिंग 29 सितंबर को लंदन के सुरम्य में शुरू हुई है। इसकी घोषणा प्रोडक्शन हाउस इंडियन स्टोरीज द्वारा की गई।फिल्म की निर्देशक आरती एस बागड़ी ने कहा कि यह फिल्म प्यार के बारे में है।बागड़ी ने कहा फिल्म दो व्यक्तियों की यात्रा पर आधारित है जिसमें अनजाने में दोनों एक–दूसरे की मदद करते हैं। इस दौरान दोनों को एक–दूसरे से प्यार हो जाता है।विवेक बी अग्रवाल, अवंतिका हरि और राकेश सिप्पी द्वारा निर्मित यह प्रोजेक्ट भरपूर मनोरंजन का वादा करती है।निर्माताओं ने कहा, फवाद का एक बड़ा प्रशंसक वर्ग है। हम उम्मीद करते हैं कि उनके प्रशंसक इस फिम को पूरे दिल से पसंद करेंगे।उन्होंने कहा, उम्मीद है कि फवाद और वाणी के बीच की केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आएगी।फिल्म की शूटिंग अक्टूबर और नवंबर में यूके में की जाएगी। फिल्म निर्माता ने कहा है कि एक प्रमुख बॉलीवुड संगीतकार ने इस फिल्म के लिए गाने के 6 ट्रैक बनाए हैं।पाकिस्तान के सबसे बड़े सितारों में से एक फवाद ने शशांक घोष की रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म खूबसूरत में सोनम कपूर के साथ साल 2014 में हिंदी सिनेमा के पर्दे पर डेब्यू किया था। यह फिल्म 1980 में बनी इसी टाइटल की फिल्म की कहानी पर आधारित थी। इसमें किरण खेर, रत्ना पाठक शाह और आमिर रजा हुसैन जैसे नाम भी शामिल थे। इसके बाद उन्हें शकुन बत्रा की 2016 की पारिवारिक ड्रामा कपूर एंड संस में आलिया भट्ट और सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ स्क्रीन साझा करते देखा गया। बॉलीवुड में उनकी आखिरी बड़ी फिल्म करण जौहर की ऐ दिल है मुश्किल थी, जिसमें वह रणबीर कपूर और अनुष्का शर्मा के साथ नजर आए थे। वहीं वाणी को आखिरी बार अक्षय

कुमार के साथ फिल्म खेल खेल में में देखा गया था।

सोफी चौधरी के लेटेस्ट लुक ने इंटरनेट पर मचाया बवाल, थाई स्लिट गाउन में एक्ट्रेस दिखीं बेहद खूबसूरत

एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग फैशन स्टेटमेंट्स से अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक अक्सर इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में पैपराजी ने एक इवेंट के दौरान एक्ट्रेस को स्पॉट किया। जहां उनका कातिलाना अंदाज और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस देखकर लोगों की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।सोफी चौधरी का नाम मल्टीटेलेंटेड एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हैं। वो अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपनी फिटनेस और फैशन स्टेटमेंट्स को लेकर लाइमलाइट में रहती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस को पैपराजी ने एक इवेंट के दौरान स्पॉट किया। इस दौरान वो बेहद ही किलर लुक में नजर आईं।फोटोज में आप देख सकते हैं सोफी चौधरी ने ऑरेंज कलर का थाई स्लिट गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।खुले बाल को कर्ली लुक में स्टाइल कर के और साथ ही मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो उनके हर एक लुक को फैंस फॉलो करते हैं। सोफी चौधरी की हर एक तस्वीर इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगती हैं।सोफी चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनके ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है।

अपने किरदार में डूब जाने का मौका देता है ओटीटी प्लेटफार्म सोनाक्षी सिन्हा

हाल ही में स्ट्रीमिंग फिल्म ककुड़ा में नजर आई बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने ओटीटी प्लेटफॉर्म को बहुत अहम बताया। कहा कि यह कलाकारों को अपने किरदारों की गहराई को समझने और उन्हें निभाने का मौका देता है।

सोनाक्षी ने अब तक दो ओटीटी शो दहाड़ और हाल ही में आई हीरामंडीरू द डायमंड बाजारस्य में दिखीं। इसमें सोनाक्षी के काम को दर्शकों ने बेहद पसंद किया।

एक अवॉर्ड शो में हीरामंडी अदाकारा सोनाक्षी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अभिनेत्री ने कहा, मैंने लगातार दो साल यह पुरस्कार जीता है। यह पुरस्कार मुझे दहाड़ और श्हीरामंडीरू द डायमंड बाजारस्य के लिए दिया गया। यह इस बात का प्रमाण है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म कलाकारों को खुलकर काम करने का मौका दे रहा है। यह कलाकारों को शक्तिशाली भूमिका निभाने का मौका दे रहा है।

सोनाक्षी ने ओटीटी और बड़े पर्दे पर काम करने के अनुभव पर बात करते हुए कहा, ओटीटी इस समय वाकई एक गेम–चेंजर है। ओटीटी पर पेश की जाने वाली भूमिकाएं अधिक जटिल और चुनौतीपूर्ण होती है। बड़े पर्दे पर हमेशा यह संभव नहीं होता।

उन्होंने कहा, बड़ी स्क्रीन का उद्देश्य हमेशा ही ज्यादा से ज्यादा लोगों का मनोरंजन करना होता है, जबकि मुझे लगता है कि ओटीटी किरदारों को गहराई से जानने के लिए ज्यादा मौका देता है। मुझे दोनों ही जगह दर्शकों ने बहुत प्यार दिया है, जिसके लिए मैं आभारी हूं। इस डिजिटल क्रांति का हिस्सा बनना रोमांचक है, जहां कंटेंट ही सबसे ज्यादा मायने रखता है।

अभिनेत्री ने हाल ही में अपने किरदारों को निभाने पर बात करते हुए कहा था कि मैं सेट पर पहुंचती हूं, कैमरे का सामना करती हूं, और तब किरदार मेरे लिए जीवंत हो उठता है।

23 जून को सोनाक्षी ने जहीर के साथ परिवार और करीबी दोस्त की मौजूदगी में शादी की थी।

सोनाक्षी को पिछली बार रितेश देशमुख और साकिब सलीम के साथ ककुड़ा में देखा गया था। अब वह कुश सिन्हा निर्देशित निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस नामक फिल्म में नजर आएंगी।वह आगामी फिल्म में अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहैल नय्यर जैसे कलाकारों के साथ अभिनय करती नजर आएंगी।

हास्य है, हारर है, पागलपन है... माधुरी दीक्षित आती हैं और सबको शांत करा देती हैं, दो मंजुलिकाओं में फंसे रूह बाबा

भूल भुलैया 3 का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है, जिसने उत्साही प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ा दिया है। लोकप्रिय हॉरर–कॉमेडी फ्रैंचाइजी की यह नवीनतम किस्त दिवाली के त्यौहार के समय रोमांच, ठहाके, हँसी और रोमांस का एक अनूठा मिश्रण पेश करने का वादा करती है। श्भूल भुलैया 3श का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है, जिसने उत्साही प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ा दिया है। लोकप्रिय हॉरर–कॉमेडी फ्रैंचाइजी की यह नवीनतम किस्त दिवाली के त्यौहार के समय रोमांच, ठहाके, हँसी और रोमांस का एक अनूठा मिश्रण पेश करने का वादा करती है। 3रू50 मिनट लंबे वीडियो को देखकर फैंस दंग रह गए हैं। कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी, माधुरी दीक्षित और विद्या बालन अभिनीत इस फिल्म में रूह बाबा और मंजुलिका की वापसी हुई है। अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में विद्या बालन और माधुरी दीक्षित दोनों ही मंजुलिका के किरदार में हैं। जी हाँ, आपने सही पढ़ा। दो मंजुलिकाएँ हैं और रूह बाबा को यह पता लगाना है कि ओजी कौन है! ट्रेलर की शुरुआत कार्तिक की हमेशा की हरकतों और तृप्ति डिमरी के साथ उनके रोमांस से होती है। दोनों की केमिस्ट्री देखने लायक है। जो अपनी कामुक उपस्थिति से हमें फिर से मोहित कर लेती हैं। इस बार कहानी रक्तघाट नामक राज्य में सामने आती है।ट्रेलर के अनुसार, निर्माताओं ने आखिरकार फिल्म में माधुरी दीक्षित की भूमिका के बारे में स्थिति साफ कर दी है। दिग्गज स्टार, मंजुलिका विद्या बालन के साथ मंजुलिका का डरावना किरदार निभाती नजर आएंगी। ट्रेलर की शुरुआत रक्तघाट शहर की कहानी से होती है, जो अपने सिंहासन के लिए घातक लड़ाई के लिए जाना जाता है। रूह बाबा के रूप में कार्तिक आर्यन को लोगों द्वारा बताया जाता है कि वह रक्तघाट का शासक है, जिसके बाद उसका पीछा एक नहीं बल्कि दो मंजुलिकाएँ करती हैं। ट्रेलर के अंत में, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित दोनों रूह बाबा से पूछते हुए दिखाई देती हैं कि उनमें से असली मंजुलिका कौन है।इसे भी पढ़ेंरू च्तंईीं छमू डवअपम जीम तंर्ँइ ग्लोबल स्टार हीरो प्रभास आजमाने जा रहे हॉरर कॉमेडी में हाथ, राजा साब का लुक रिलीजभव्य लॉन्च कार्यक्रम से पहले निर्देशक अनीस बज्मी ने इस परियोजना के बारे में अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा, भूल भुलैया 3 एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो मेरे दिल के बहुत करीब है। हमने कुछ नया और मनोरंजक लाने के लिए हॉरर–कॉमेडी शैली की सीमाओं को आगे बढ़ाया है। भूल भुलैया 3 का टीजर पिछले महीने, भूल भुलैया 3 का टीजर इसके निर्माताओं द्वारा जारी किया गया था, जिसमें मंजुलिका अपने सिंहासन को पुनः प्राप्त करने के लिए लौटती हुई दिखाई देती है। टीजर की शुरुआत माजुलिका के चीखने और यह पूछने से होती है कि लोग उसका पद और कुर्सी क्यों छीन रहे हैं। फिल्म की कहानी किले में उस जगह को अपने पास रखने के इर्द–गिर्द घूमती है, जहां उसकी हत्या की गई थी और शायद उसे जगाया जाता है, क्योंकि कोई उसके किले पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। फिल्म के बारे में अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 इस साल दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में कार्तिक के साथ तृप्ति डिमरी, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित नेने जैसे समीक्षकों द्वारा प्रशंसित कलाकार अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। इस साल की शुरुआत में कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि आने वाली फिल्म में विद्या और माधुरी दीक्षित नेने के बीच आमना–सामना होगा। दावा किया जा रहा है कि दोनों श्आमी जे तोमारश गाने पर परफॉर्म करेंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस गाने को फिल्म के सभी मुख्य किरदारों को ध्यान में रखकर शूट किया जाएगा। कहा जा रहा है कि इस गाने में माधुरी दीक्षित और विद्या बालन के साथ श्रूह बाबाश यानी कार्तिक आर्यन भी नजर आएंगे।

मशहूर सिंगर तुलसी कुमार शूटिंग के दौरान सेट पर लगी चोट,

तुलसी कुमार ऑफ–व्हाइट ड्रेस पहने हुए दिखाई दे रही हैं। वह शॉट के लिए तैयार होती हैं, लेकिन अचानक पीछे से लकड़ी की दीवार जैसा एक बड़ा सा प्रॉप उनके ऊपर गिर जाता है। प्रॉप गिरते देख सेट पर मौजूद लोगों के चिल्लाने पर गायिका भागने की कोशिश करती हैं।

अपनी मधुर आवाज से लाखों दिलों को जीतने वाली मशहूर गायिका तुलसी कुमार अपने नए म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान सेट पर घायल हो गईं। अपने नए म्यूजिक वीडियो के सेट से तुलसी कुमार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। क्लिप में वह कैमरे के सामने परफॉर्म करती हुई दिखाई दे रही हैं, तभी उनके पीछे का शेड अचानक गिर जाता है। चोट लगने के बाद गायिका तुलसी कुमार दर्द से कराह उठीं। यह घटना कैमरे में कैद हो गई और अब यह डरावना वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। वीडियो में तुलसी ऑफ–व्हाइट ड्रेस पहने हुए दिखाई दे रही हैं। वह शॉट के लिए तैयार होती हैं, लेकिन अचानक पीछे से लकड़ी की दीवार जैसा एक बड़ा सा प्रॉप उनके ऊपर गिर जाता है। प्रॉप गिरते देख सेट पर मौजूद लोगों के चिल्लाने पर गायिका भागने की कोशिश करती हैं। कुछ क्रू मेंबर भी तुलसी को बचाने के लिए उनकी ओर दौड़े। हालांकि उन्हें चोटें आईं। तुलसी ने कहा, मैं इस समय चंडीगढ़ में अपने गाने श्दिल कुछ होर नहीं मांगदाश की शूटिंग कर रही हूं। मुझे एक अप्रत्याशित चुनौती का सामना करना पड़ा, जिसमें एक छोटी सी दुर्घटना हुई, जिससे मेरा हाथ चोटिल हो गया। चिंताओं के बावजूद, खासकर चूंकि यह एक डांस सॉन्ग है, मैं अपनी प्रोडक्शन टीम से मिले त्वरित सहयोग के लिए आभारी हूं। भगवान की कृपा से, मेरे हाथ की हरकत ठीक है और मुझे उम्मीद है कि हम बिना किसी बाधा के शूटिंग पूरी कर लेंगे। वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए कई सोशल मीडिया यूजर्स ने आर्ट डायरेक्टर और सेट पर कलाकारों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों की आलोचना की। यूजर्स के एक वर्ग ने तुलसी

को बचाने वाले व्यक्ति की भी प्रशंसा की। एक यूजर ने टिप्पणी की, ष्उस व्यक्ति को सलाम जिसने उसे बिल्कुल सही समय पर बचाया।ष दूसरे ने लिखा, ष्हम सुरक्षा के मामले में बहुत खराब हैं।ष नेटिजेंस ने भी उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। गायिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की सोमवार (7 अक्टूबर) को गायिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक कार वीडियो शेयर किया। इसके साथ ही, उन्होंने खुलासा किया कि वह चंडीगढ़ की यात्रा करेंगी। तुलसी टी–सीरीज के प्रबंध निदेशक भूषण कुमार की बहन हैं। उन्होंने 2006 में फिल्म चुप चुप के के गाने मौसम है बड़ा कातिल से अपने गायन की शुरुआत की। उन्होंने हमको दीवाना कर गए, मिले हो तुम, लव मेरा हिट हिट, पसूरी नू पानियों सा, वजह तुम हो, दिल के पास जैसे गाने भी गाए हैं। तुलसी कुमार कौन हैं? तुलसी दिवंगत गुलशन कुमार और सुदेश कुमारी की बेटी हैं। वह फिल्म निर्माता भूषण कुमार की बहन और अभिनेत्री खुशाली कुमार की चचेरी बहन भी हैं। उन्होंने 2009 में अपना पहला एल्बम, लव हो जाए रिलीज किया। एल्बम के साथ, उन्होंने शीर्षक गीत के लिए एक संगीत वीडियो भी बनाया था। उन्होंने मुझे तेरी (पाठशाला), लव मेरा हिट (बिल्लू) और तुम जो आए (वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई) भी गाया।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरूवार 10 अक्टूबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

डूडा विभाग द्वारा कराए जा रहे कार्यों के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

नगर निकायों में डूडा विभाग द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) उमाशंकर की अध्यक्षता में अपर जिलाधिकारी कक्ष में सम्पन्न हुई बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) उमाशंकर ने सीवरेज एवं जल निकासी, मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना, 15वॉ वित्त आयोग के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यो की समीक्षा, पं0 दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना, पोखरो का सौन्दर्यीकरण, अन्त्येष्टि स्थल विकास, झील, तालाब, पोखरा संरक्षण योजना, एम.आर.एफ. सेन्टर आदि निर्माण कार्यो की समीक्षा की गयीअपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) उमाशंकर ने समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका नगर पंचायत को निर्देश दिया कि जो भी कार्य स्वीकृत हुए उसे गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय से पूर्ण कराये इसमें लापरवाही बरतने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी जो कार्य 50 से 70 प्रतिशत तक पूर्ण हो गया है उनका मानक अनुसार भुगतान कराये अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) उमाशंकर ने निर्देश दिया कि नाला निर्माण एवं सड़क निर्माण कार्य में प्रगति लाकर

समय से पूर्ण कराये इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास शहरी, पीएम स्वनिधि योजना की समीक्षा की गयी तथा आवास का जियो टैगिंग कराने का निर्देश दिया। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी डूडा सुनीता सिंह, समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिकाध्नगर पंचायत, व अन्य संबधित अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित थे।

विकास खंड नौगढ़ अंतर्गत ग्राम रसूलपुर के स्कूल का किया गया निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार द्वारा प्राथमिक विद्यालय माल्दा रखिहवा ग्राम पंचायत रसूलपुर विकास खण्ड क्षेत्र– नौगढ़ का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान शिक्षकगण एवं छात्र छात्राओं की उपस्थिति पंजिका को देखा गया निरीक्षण के समय प्रधानाध्यापक 01, सहायक अध्यापक 01 व शिक्षामित्र 01 उपस्थित पाये गये नामाकंन 76 के सापेक्ष मात्र आज मात्र 17 बच्चें उपस्थित पाये गये प्रधानाध्यापक को भविष्य के लिए सचेत करते हुए निर्देशित किया गया कि बच्चो की उपस्थिति बढ़ाने के लिए अभिभावक से वार्तालाप करें तथा नियमित रूप से ग्राम में भ्रमण करें, अन्यथा कठोर कार्यवाही किया जायेगा विद्यालय में एम. डी.एम. में तहरी सोयाबीन युक्त बनाया गया , जिसका सैंपल चेक किया गया है प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया गया कि खेल सामग्री को मध्यावकाश में सामग्री बच्चों को वितरित करें जिन बच्चो के अभिभावक के खाते में ड्रेस, किताब, जूता मोजा आदि क्रय करने हेतु धनराशि प्रेषित किया गया है, ऐसे अभिभावको को जागरूक करते हुए क्रय कराये जाने हेतु निर्देश दिया गया। निपुण के सम्बन्ध में शिक्षकगण से वार्तालाप किया गया विद्यालय परिसर में संचालित आंगनबाडी केन्द्र का भवन निरीक्षण में जर्रर पाया गया ग्राम प्रधान द्वारा बताया गया कि केन्द्र संचालित नही है विद्यालय की बॉउंड्रीवॉल ऊंचा करने के निर्देश दिया गया विद्यालय परिसर में

लगा आर.ओ. की मरम्मत करने के निर्देश दिया गया ।

अंध विश्वास के विरुद्ध विज्ञान समाज के लिए मील का पत्थर साबित होगा – अजय उपाध्याय

मीरजापुर(आरएनएस)। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित जिला विज्ञान क्लब मिर्जापुर के तत्वाधान में बुधवार 9 अक्टूबर को बसंत विद्यालय इंटर कॉलेज मिर्जापुर मे आयोजित अंध विश्वास के विरुद्ध वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार दीक्षित, अजय कुमार उपाध्याय, विद्यालय उपाध्यक्ष एवं सलाहकार सदस्य उत्तर मध्य रेलवे बोर्ड ने दीप प्रज्वलित करके किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर श्याम शंकर उपाध्याय ने विभिन्न विद्यालयों से आये हुए बच्चों एवं अध्यापको एवं अतिथियों का स्वागत किया। सुशील कुमार पाण्डेय जिला समन्यवयक सुशील कुमार पाण्डेय ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा जिले को आवंटित कार्यक्रमों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। जिला विद्यालय निरीक्षक राज कुमार दीक्षित ने कहा कि जिला विज्ञान क्लब द्वारा आयोजित अंध विश्वास के विरुद्ध विज्ञान समाज के लिए मील का पत्थर साबित होगा। विज्ञान ही समाज मे फैले अंध विश्वास को प्रयोग के माध्यम से जागरूकता फैला कर समाप्त कर सकता है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रमोद कुमार मिश्र नैनी प्रयाग राज ने सिर पर आग लगाकर चाय बनाना, बिना माचिस के ग्लिसरीन रूपी घी से अग्नि प्रज्वलित करना, जीभ पर कपूर जलाना, लोटे में बार बार जल आना, बोतल का रस्सी का पकड़ लेना, चावल भर लोटे को चाकू से उठाना, खाली झोले से कागज को नोट में बदलना, चुने से हाथ लाल होना, हाथ हिला कर नोट निकालना, जैसे 80 अंध विश्वासों को प्रयोगों के माध्यम से करके पाखंडियो का भंडाफोड़ किया। इस कार्यक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता, समाचार पत्रों का संकलन, स्लोगन प्रतियोगिता में कुल 146 बच्चों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में कुल 10 विद्यालयों के 540 बच्चों एवं अध्यापको ने प्रतिभगिता की। इस कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने प्रतिभागी छात्रों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि किसी भी अन्धविश्वास पर विश्वास न करें। इनके पीछे विज्ञान छिपा हुआ है। उन्होंने सोने की शुद्धता का मापन एवं पृथ्वी के गोल होने के सिद्धांतो की भौतिक विज्ञान से व्याख्या की तथा बच्चों से कहा कि आप को उत्साही बनना है एवं आप में प्रश्न पूछने की क्षमता होनी चाहिए तभी अंध विश्वास खत्म होगा। कार्यक्रम के समापन मे मुख्य विकास अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। समाचार पत्र पत्रिकाओं के संकलन प्रतियोगिता में पीयूष यादव मिश्री लाल इंटर कालेज प्रथम, किशन यादव गुरु नानक इंटर कॉलेज द्वितीय, जूही पाण्डेय गुरु नानक इंटर कॉलेज, प्रांजल मिश्रा एवं स्नेहा गोयल को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में आरुषि सिंह गुरु नानक इंटर कॉलेज प्रथम, शनि यादव वी एल जे स्कूल मिर्जापुर, खुशबू बसंत विद्यालय तृतीय, खुशी सरोज, अंकिता सिंह सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। स्लोगन प्रतियोगिता में दिव्यांश अभिनव विद्यालय पहाड़ी प्रथम, शिवांश पाण्डेय बसंत विद्यालय द्वितीय, जय कुमार बसंत विद्यालय तृतीय, आंचल निषाद, निखिल कुमार को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में लाल जी पटेल, राजेश कुमार, यथार्थ पाण्डेय, सुनील सिंह, शिव राम शर्मा ने सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन संजय श्रीवास्तव ने किया।

हरियाणा की जीत पर भाजपाइयों ने मनाई खुशी

ब्यूरो देवरिया

देवरिया। मंगलवार को औरा चौरी स्थित भाजपा कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने हरियाणा में हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी की धमाकेदार

जीत पर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी मनाई । भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की गरीबों के उत्थान और जन कल्याणकारी योजनाओं के सफल कार्यान्वयन का परिणाम है हरियाणा विधानसभा चुनाव की जीत । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है इसी विकासवादी और राष्ट्रवादी विचारों से प्रेरित होकर हरियाणा की जनता ने लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी के ऊपर भरोसा जताकर स्पष्ट बहुमत दिया है । इस अवसर पर जिला महामंत्री श्रीनिवास मणि, प्रमोद शाही, रविंद्र कौशल, अर्चना पांडे, निर्मला गौतम, अंकुर राय, प्रभाकर तिवारी, आराधना पांडे, सुधीर श्रीवास्तव, गोविंद चौरसिया, सतेंद्र मणि, प्रभाकर राय, राहुल सिंह, यशवंत शाही, चंदन गिरी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

ऐतिहासिक होगा पूर्वांचल प्रसिद्ध विजयादशमी मेला, तैयारियों जोरों पर– अमित श्रीनेत

मीरजापुर(आरएनएस)। श्री रामलीला कमेटी बरियाघाट की महत्वपूर्ण बैठक श्री पंचमुखी महादेव जी मन्दिर के सत्संग हाल में बुधवार, 9 अक्टूबर को हुआ। बैठक में वर्ष 1979 से अनवरत लगने वाले पूर्वांचल प्रसिद्ध विजयादशमी मेला की तैयारियों पर चर्चा हुई। इस दौरान रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अमित श्रीनेत ने कहाकि इस वर्ष विजयादशमी का मेला नव्य–भव्य और ऐतिहासिक होगा। शानदारलाइटिंग के साथ श्री रामदरबार एवं पंचमुखी महादेव का अद्वितीय श्रृंगार होगा। साथ ही श्री तिरूपति बाला जी एवं विन्ध्य कारीडोर की झॉकी आकर्षण का केन्द्र होगा। इसके साथ ही गंगा जमुना सरस्वती, राधा कृष्ण हरियाली झांकी, मटकी सहित गरबा नृत्य, कालिया मर्दन सहित एक दर्जन से अधिक झांकी का नयनाभिराम कर सकेंगे। सभी सदस्यों का आह्वान करते हुए उन्होंने तन–मन–धन से लगने का अनुरोध किया। महामंत्री संतोष कुमार ऊमर ने कहाकि शनिवार, 12 अक्टूबर 2024 को रात्रि आठ बजे से लगने वाले विजयादशमी मेला में गेट, स्टॉल एवं मीना बाजार को भव्य रूप प्रदान किया जायेगा। इसके साथ ही विशाल देवी जागरण का आयोजन रविवार, 13 अक्टूबर को रात्रि नौ बजे से प्रातः 5 बजे तक होगा। जिसमे जाने माने कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। बैठक को कमेटी के संरक्षक एवं पूर्व अध्यक्ष गौरव ऊमर एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेमंत सिंह ने भी सम्बोधित किया। बैठक में प्रमुख रूप से कोषाध्यक्ष रवींद्र कुमार गुप्ता, हेमंत सिंह, विमलेश, अमरेश मिश्र, बृजेश गुप्ता, जाह्नवी कसेरा, अमित कसेरा, विपिन कुमार पुजारी शामिल रहें।

रक्तदाताओं को किया गया सम्मानित

मीरजापुर(आरएनएस)। राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर बुधवार को मंडलीय चिकित्सालय के सभागार में रक्तदाता सम्मान समारोह का आयोजन प्रधानाचार्य मेडिकल कॉलेज डॉक्टर विश्वजीत दास की अध्यक्षता तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर एस के श्रीवास्तव के निर्देशन में किया गया। जिसमे ज्वाइंट डायरेक्टर डॉक्टर अरविंद सिंह मुख्य अतिथि के रूप में रहे। मंच का संचालन जन सम्पर्क आधिकारी राम कुमार गुप्ता ने किया। बताया अगला सम्मान समारोह जून में होगा। सबसे ज्यादा रक्तदान कराने वाले श्री साई परिवार सेवा संगठन के अध्यक्ष शुभम गुप्ता तथा सचिव विकाश मिश्रा व दुर्गेश चौरसिया, अनुराग कसेरा को प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान पर देव गुप्ता, तृतीय स्थान पर रॉबिन हुड आर्मी रही। इसके अलावा आईडीए के राहुल चौरसिया, प्रेम क्लब सोसाइटी के सीता राम, रोटरेक्ट विंध्याचल के शुभम् गुप्ता, आल इंडिया हिंदू नाई समाज के मोनू शर्मा, रोटरी क्लब मिर्जापुर के अध्यक्ष शशांक टंडन व सचिव अभीषेक पांडे को सम्मानित किया गया। रक्तदाताओं में भाई लाल विश्वकर्मा, संतोष साहू, अनूप साहू, श्रृष्टि अग्रवल, मोहम्मद सबाब, स्वरूप गुप्ता को सम्मानित किया गया।

सीमेंट क्लिंकर लादकर जा रहा ट्रक आगे चल रहे ट्रक में टकराया, चालक के पैर में आई गंभीर चोटें, रेफर

ड्रमंडगंज, मीरजापुर(आरएनएस)। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ड्रमंडगंज घाटी में बुधवार दोपहर सीमेंट क्लिंकर लादकर जा रहे ट्रक का ब्रेक फेल होने से आगे चल रहे ट्रक में जोरदार टक्कर मार दिया। हादसे में ट्रक चालक केबिन में फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कटर मशीन से केबिन को कटवाकर घायल चालक को बाहर निकलवाया। मध्यप्रदेश के मैहर से सीमेंट क्लिंकर लादकर बिहार जा रहा ट्रक ड्रमंडगंज घाटी में नीचे उतरते समय जैसे ही बड़का मोड़ घुमान से पांच सौ मीटर पहले पहुंचा तो अचानक ब्रेक फेल हो गया अनियंत्रित ट्रक आगे चल रहे सीमेंट क्लिंकर लदे ट्रक में पीछे से टकरा गया। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज अरविंद सरोज एस आई काशी सिंह,हेड कांस्टेबल नारायण शर्मा ने कटर मशीन से केबिन को कटवाकर ट्रक में फंसे घायल चालक राजकुमार यादव निवासी जमालपुर थाना जमालपुर को बाहर निकलवाया। घायल चालक को उपचार हेतु एंबुलेंस सेवा 108 से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया भिजवाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चालक के पैर में आई गंभीर चोट को देखते हुए चिकित्सक ने मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज अरविंद कुमार सरोज ने बताया कि मध्यप्रदेश के मैहर से सीमेंट क्लिंकर लादकर जा रहे ट्रक का ड्रमंडगंज घाटी में नीचे उतरते समय ब्रेक फेल हो गया अनियंत्रित ट्रक आगे चल रहे ट्रक में पीछे से टकरा गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल चालक को ट्रक से बाहर निकलवाकर उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया गया है।

डीएम के औचक निरीक्षण में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के 15 कार्मिक पाये गये अनुपस्थित

अनुपस्थित कार्मिकों के वेतन भुगतान पर रोक, स्पष्टीकरण जारी करने के डीएम ने दिये निर्देश

सोनभद्र (आरएनएस)। डीएम बी0एन0 सिंह ने बुधवार काू डायट परिसर उरमौरा राबर्ट्सगंज में स्थित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय का पूर्वान्ह 10.10 बजे औचक निरीक्षण किये, निरीक्षण के दौरान कार्यालय में साफ–सफाई व्यवस्था ठीक न रहने व पत्रावलियों के रख–रखाव की स्थिति खराब पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किये गये कि कार्यालय परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था बेहतर की जाये एवं पत्रावलियों का रख–रखाव भी सुव्यवस्थित ढंग से किया जाये,

इस दौरान डीएम ने कार्यालय की उपस्थिति पंजिका का भी निरीक्षण किये, उपस्थित पंजिका में प्रणति प्रभा सारंगी डी0सी0, राकेश कुमार सिंह डी0सी0 निर्माण, अवधेश कुमार भारती डी0सी0, जय किशोर वर्मा डी0सी0 सामु0 सहायक, नवल कुमार सिंह क0आ0, राज वैभव साहू सहायक लेखा, राम विलास क0आ0 एम0डी0एम0, राम सिंह सहायक लेखा, मृत्युन्जय सिंह परिचारक, अभिषेक कुमार प्रचारक, रविन्द्र नाथ वरिष्ठ सहायक, देवेश नारायण शुक्ला वरिष्ठ सहायक, इन्द्रदेव सिंह कनिष्ठ सहायक, ओम प्रकाश चालक, लल्लू प्रसाद परिचारक अनुपस्थित पाये गये, जिस पर डीएम ने अनुपस्थित कर्मियों के वेतन भुगतान पर रोक लगाने व स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दियें। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने राबर्ट्सगंज स्थिति सर्वशिक्षा अभियान कार्यालय का औचक निरीक्षण किये, कार्यालय परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था व पत्रावलियों के रख–रखाव के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की, इंगलिश मीडियम स्कूल राबर्ट्सगंज का औचक निरीक्षण किये, निरीक्षण के दौरान सभी शिक्षकगण उपस्थित पायें गये।

मानसिक रोग शिविर में 167 रोगियों का इलाज एवं स्वास्थ्य परीक्षण संपन्न

राजगढ़, मीरजापुर(आरएनएस)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ के अस्पताल मे मानसिक रोग इलाज एवं प्रशिक्षण शिविर लगा जिसमें 167 रोगियों का इलाज हुआ। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य शिविर में आए रोगियों को मानसिक रोग के लक्षण एवं उपचार के बारे में बताया गया तथा उससे संबंधित रोगों की दवा दी गई। जनपद से आए मानसिक रोग निवारण डॉक्टर राहुल सिंह एवं डॉ सौरभ कपूर ने रोगियों का इलाज किया। इस दौरान क्षेत्र के 90 महिला एवं 73 पुरुषों का इलाज किया गया एवं उन्हें दवा वितरित की गई। इस मौके पर राजगढ़ के चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर पवन कश्यप ने बताया कि जिला चिकित्सालय की तरफ से यह कैंप लगाया गया है जिसमें मानसिक रोग से संबंधित रोगियों का इलाज एवं परीक्षण किया गया है। इस मौके पर डॉक्टर संतलाल, अभिषेक सोनकर, श्वेता वर्मा, सुधा मिश्रा, बृजभूषण सिंह के अलावा मरिज नंदलाल चंद्रावती चंद्रशेखर सरिता चिरौजी दिनेश अमित हीरावती खुशबू आदि लोग उपस्थित रहे।

साधु का रूप धारण कर रावण ने माता सीता का किया हरण

ओबरा सोनभद्र (आरएनएस)। स्थानीय नगर स्थित मुख्य बाजार की रामलीला में कलाकारों द्वारा बुधवार को सीता हरण का मंचन किया गया। इस दौरान दर्शक भावूक हो गए, कथानुसार राम लक्ष्मण जब वन को गए तो सीता को अपना ख्याल रखना को कह गए साथ ही लक्ष्मण जी द्वारा कुटिया के बाहर एक रेखा खींचकर उसे पार न करने की बात माता सीता से कही गई। कुछ क्षण बाद साधु का रूप धारण कर रावण द्वारा माता सीता से भिक्षा दिए जाने की मांग की गई जिस पर सीता माता द्वारा भिक्षा की प्रतिपूर्ति की जाने लगी तभी छदम रूप धारण किए हुए रावण द्वारा कुटिया से बाहर आकर ससम्मान भिक्षा दिए जाने को कहा जाने लगा।

जिस पर सीता द्वारा लक्ष्मण रेखा नहीं पार किए जाने की बात कही गई। तभी रावण आक्रोशित होकर कहने लगा कि साधु संतों का अपमान किया जाना सबसे बड़ा पाप है इस पाप की भागी तुम और तुम्हारा पूरा परिवार होगा और मैं ऐसे में भिक्षा नहीं लेता, जिस पर माता सीता ने जैसे ही लक्ष्मण रेखा को पार किया तो रावण अपने वास्तविक रूप में आ गया और सीता का हरण करने लगा इसी बीच सीता के बचाव में कूदे गरुण राज व रावण में जमकर युद्ध हुआ। जिसमें गरुण राज घायल हो जाते है, और रावण सीता को लंका ले जाता है। जिस पर माता सीता अशोक वाटिका में विलाप करती हैं।

मंचन के दौरान रामलीला समिति के अध्यक्ष आशीष तिवारी, सचिव सुशील सिंह, कोषाध्यक्ष अन्वेष अग्रवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रंजना सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष सतीश पांडे, पूर्व सभासद सुनीता पांडे, दिनेश सिंह मुंडी, ज्ञान शंकर शुक्ला, डॉ शिवम द्विवेदी, सभासद अमित गुप्ता, अरविन्द सोनी, समीर माली, कैलाश, पूर्व पुस्तकालय मंत्री कुमार सौरभ सिंह, अभिषेक सेठ, राजीव चौधरी, भोला साहनी, सचिन तिवारी, प्रेम सागर, शेषनाथ गुप्ता इत्यादि लोग मौजूद रहे।

अशोक वाटिका में श्रीराम का संदेश पाकर भावुक हुई मां जानकी

रेणुकूट(सोनभद्र) (आरएनएस)। हिण्डाल्को रामलीला परिषद् द्वारा हिण्डाल्को रामलीला मैदान पर आयोजित हो रही रामलीला के छठे दिन सीता हरण, शबरी भक्ति, राम–सुग्रीव मित्रता, बाली वध ा,सीताजी की खोज और लंका दहन आदि लीलाओं का बहुत सजीव मंचन रामलीला के कलाकारों द्वारा किया गया। लीलाओं में लक्ष्मणजी द्वारा शूर्पनखा की नाक काट लेने पर शूर्पनखा अपने भाई रावण के दरबार पहुंच कर सीताजी की सुन्दर रूप का बखान करते हुए उनके हरण के लिए उकसाती है तब रावण अपने मामा मारीच के साथ वन में पहुंचते है और मारीच स्वर्ण मृग बन कर सीताजी को रिझाते है और सीताजी की जिद पर श्रीराम मृग पकड़ने उसके पीछे दौड़ते है। मारीच अपने मायाजाल से लक्ष्मण को श्रीराम की मदद को विवश कर देते और सीताजी के आग्रह पर लक्ष्मण रेखा खींच कर श्रीराम की मदद को चल देते है। मौका पाकर साधू वेश में रावण सीताजी का हरण कर लेते है और आकाश मार्ग से लंका की ओर ले चलते है। रास्ते में जटायू उन्हें भरसक रोकने का प्रयास करते है और रावण के प्रहार से मरनासन्न होकर धरती पर गिर जाते है। उधर कुटिया में लौटकर सीताजी को न पाकर दोनो भाई उन्हें ढूढ़ने निकलते है तब रास्ते में जटायू से उन्हें रावण द्वारा सीताजी के हरण की जानकारी मिलती है। आगे चलकर श्रीरामजी सुग्रीव से मिलते है और बाली–सुग्रीव युद्ध में बाली का वध ा करके सुग्रीव को राजगद्दी सौंप देते है। सुग्रीव व श्रीराम की मित्रता होती है और पूरी वानर सेना, सुसेन, हनुमानजी व सुग्रीव श्रीराम व लक्ष्मण के साथ सीताजी को लंका से लाने के लिए निकल पड़ते है। हनुमानजी सात समुंदर पार करके लंका पहुंच कर अशोक वाटिका में सीता माता से मिलकर उन्हें श्रीराम का संदेश देते है

स्काउटिंग से होता है मानवता का विकास डाक्टर बृजेश महादेव

सोनभद्र (आरएनएस)। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नंदना नगवा सोनभद्र में हर्षोल्लास के साथ स्काउटिंग प्रशिक्षण डॉक्टर बृजेश कुमार सिंह महादेव ब्लॉक स्काउट मास्टर नगवां सोनभद्र द्वारा संपन्न कराया गया। उन्होंने कहा कि स्काउटिंग से मानवता का विकास होता है। प्रशिक्षण में नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झंडा गीत, स्काउटिंग का इतिहास, विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प निर्माण क्राफ्ट, कला, गांठ बंधन, बीपी 6 व्यायाम, फ्लैग सेरिमनी, टेंट निर्माण के साथ बिना बर्तन के भोजन बनाने की कला सिखाई गई। प्रशिक्षण के संरक्षक मुकुल आनंद पांडेय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सोनभद्र, सह संरक्षक बृजेश कुमार सिंह खंड शिक्षा अधिकारी नगवा, संयोजक सैयद अनवर हुसैन जिला स्काउट शिक्षक सोनभद्र, सहसंयोजक वंदना कुमारी विद्यालय वार्डन के निर्देशन में प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षक के रूप में डॉक्टर बृजेश कुमार सिंह महादेव, सरोज कुमारी के साथ यूनिट लीडर अंकिता त्रिपाठी द्वारा बच्चों को स्काउटिंग का प्रशिक्षण कराया गया। शिविर संचालक एवं प्रशिक्षक डॉ बृजेश महादेव ने बताया कि शासनादेश के अनुसार प्रदेश के सभी कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में छात्राओं को गाइड का प्रशिक्षण कराया गया। उन्होंने बताया कि स्काउटिंग से मानवता का विकास होता है। यह हमें आत्मनिर्भर बनता है और दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित करता है। विषम परिस्थितियों में हमें जीने की कला सिखाता है। यह मानव के लिए बहुत ही उपयोगी है और इसे जाने अनजाने में सभी अपनाते हैं। प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों को स्काउटिंग की दिनचर्या का बोध कराया जाता है। इस अवसर पर डॉक्टर नीलम सिंह, गीता भारती, स्वातिका आंचल, सरोज, शुभा गुप्ता, अंकित त्रिपाठी, कुमारी संध्या, उपेंद्रनाथ के साथ विशिष्ट अतिथि बंधु उपस्थित रहे और बच्चों को अपना आशीर्वचन दिया।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।